हिन्दी दैनिक

पथ प्रवाह

RNI No.: UTTHIN/2011/39282

हर खबर पर पैनी नजर

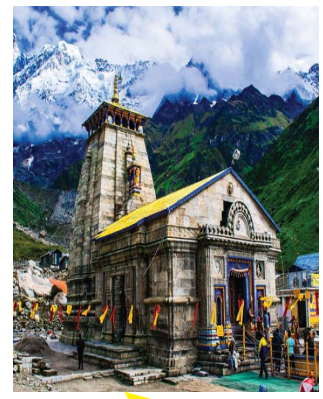

वर्ष:4 अंक:285 पृष्ठ:08 मुल्य:1 रूपये | pathpravah.com | हरिद्वार, रविवार, 19 अक्टूबर 2025

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने दी पूर्व मुख्यमंत्री त्रिवेंद्र सिंह रावत को दीपावली की शुभकामनाएं

पथ प्रवाह, देहरादून

धनतेरस के शुभ अवसर पर उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने शनिवार को हरिद्वार सांसद एवं पूर्व मुख्यमंत्री त्रिवेंद्र सिंह रावत के आवास पर पहुंचकर उन्हें धनतेरस और दीपावली की हार्दिक बधाइयां एवं शुभकामनाएं दीं।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी डिफेन्स कॉलोनी स्थित पूर्व मुख्यमंत्री व हरिद्वार सांसद त्रिवेंद्र सिंह रावत के आवास पर पहुंचे, जहां उन्होंने सौहार्दपूर्ण मुलाकात की। दोनों नेताओं ने दीपावली पर्व पर प्रदेश में खुशहाली, समृद्धि और आपसी सद्भाव की कामना की। इस दौरान प्रदेश के विकास और जनकल्याण से जुड़े मुद्दों पर भी सौहार्दपूर्ण चर्चा हुई। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि दीपावली का पर्व प्रकाश, सत्य और सकारात्मक ऊर्जा का प्रतीक है। उन्होंने प्रदेशवासियों से अपील की कि सभी लोग पारंपरिक तरीके से मिट्टी के दीए जलाएं और पर्यावरण की रक्षा करते हुए स्वदेशी उत्पादों का उपयोग करें।

पूर्व मुख्यमंत्री त्रिवेंद्र सिंह रावत ने मुख्यमंत्री पुष्कर धामी के आगमन पर उनका आभार जताते हुए कहा कि यह पर्व सामाजिक एकता और भाईचारे का संदेश देता है। उन्होंने प्रदेशवासियों को दीपोत्सव की शुभकामनाएं दीं और उत्तराखंड की निरंतर प्रगति की कामना की। धनतेरस के अवसर पर हुई यह मुलाकात प्रदेश की राजनीतिक और सामाजिक सद्भावना का प्रतीक बनी रही।

मुख्यमंत्री पुष्कर धामी का राज्य कर्मियों और पेंशनरों को दीपावली का तोहफा, डीए में 3% की वृद्धि

पथ प्रवाह, देहरादून

राज्य कर्मचारियों और पेंशनरों को दीपावली से पहले मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने बड़ा तोहफा दिया है। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने उत्तराखंड सरकार के कर्मचारियों, स्थानीय निकायों तथा राज्य सरकार के सार्वजनिक उपक्रमों के कर्मचारियों एवं पेंशनरों के महंगाई भत्ते (डीए) में 3 प्रतिशत वृद्धि को स्वीकृति प्रदान कर दी है। मुख्यमंत्री पुष्कर धामी के इस निर्णय से हजारों कर्मचारियों और पेंशनभोगियों को राहत मिलेगी। राज्य कर्मचारियों का महंगाई भत्ता अब केंद्र सरकार के कर्मचारियों के समकक्ष हो जाएगा। इस निर्णय का वित्तीय प्रभाव आगामी वेतन बिलों और पेंशन वितरण में सम्मिलित किया जाएगा।

मुख्यमंत्री पुष्कर धामी ने कहा कि सरकार अपने कर्मचारियों के हितों की रक्षा के लिए प्रतिबद्ध है और समय-समय पर उन्हें मिलने वाले वैध लाभों को सुनिश्चित करने का कार्य करती रहेगी। उन्होंने आशा व्यक्त की कि यह निर्णय कर्मचारियों और पेंशनरों के जीवन में आर्थिक सहूलियत प्रदान करेगा तथा उन्हें अधिक उत्साह और समर्पण से कार्य करने के लिए प्रेरित करेगा।

रक्षा क्षेत्र में काम आने वाली दुर्लभ धातु सामग्रियां बनाना भारत के लिए जरूरी : राजनाथ

नई दिल्ली। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने चीन द्वारा महत्वपूर्ण दुर्लभ खनिजों के निर्यात नियमों को कड़ा किए जाने के बीच कहा है कि भारत के लिए जरूरी है कि प्रौद्योगिकी विकसित करने और अपनी प्रौद्योगिकी संप्रभुता की रक्षा के लिए वह रक्षा तथा एयरोस्पेस में इस्तेमाल की जाने वाली दुर्लभ धातु सामग्री देश में ही बनाये। श्री सिंह शनिवार को लखनऊ में पीटीसी इंडस्ट्रीज के स्ट्रैटेजिक मैटेरियल्स टेक्नोलॉजी कॉम्प्लेक्स में टाइटेनियम और सुपरअलॉय मैटेरियल्स प्लांट राष्ट्र को समर्पित कर रहे थे।

उन्होंने रक्षा, अंतरिक्ष, इलेक्ट्रॉनिक्स और अन्य क्षेत्रों में इस्तेमाल की जाने वाली दुर्लभ खनिज सामग्रियों के महत्व पर ज़ोर देते हुए कहा कि केवल कुछ ही देशों के पास इन सामग्रियों को परिष्कृत करके उच्च-स्तरीय उत्पादों में बदलने की क्षमता है।

इस संदर्भ में उन्होंने कहा कि यह संयंत्र एयरो-इंजन घटकों और सुपर अलॉय घटकों का उत्पादन करने वाली निजी क्षेत्र की पहली विनिर्माण इकाइयों में से एक है। यह भारत के लिए दुर्लभ धातुओं को बनाने में काफ़ी मददगार साबित होगा।

सिंह ने कहा, पहले भारत रक्षा और एयरोस्पेस के लिए आवश्यक उन्नत सामग्रियों और महत्वपूर्ण प्रौद्योगिकियों के लिए अन्य देशों पर निर्भर जिसके कारण रक्षा क्षेत्र का विकास धीमा था। अब टाइटेनियम और सुपरअलॉय मैटेरियल्स प्लांट जैसी पहल इस प्रवृत्ति में बदलाव का संकेत देती हैं।

उन्होंने दोहराया कि भारत सच्ची ताकत तभी हासिल कर पाएगा जब वह अपनी सामग्री, कलपुर्जे, चिप और मिश्रधातुओं को बना सकेगा। उन्होंने कहा कि इस नये संयंत्र से भारत उन चुनिंदा देशों के समूह में शामिल हो गया है जो अपने महत्वपूर्ण रक्षा और एयरोस्पेस साजो सामान स्वयं बना सकते हैं। उन्होंने कहा, इसके साथ हम अपने लड़ाकू विमानों, मिसाइलों, नौसैनिक प्रणालियों और उपग्रहों में इस्तेमाल होने वाले पुर्जों का निर्माण कर सकेंगे।

रक्षा मंत्री ने ज़ोर देकर कहा कि प्रौद्योगिकी शक्ति है लेकिन धातु सामग्री असली ताकत है। उन्होंने कहा कि चाहे वह सेमीकंडक्टर चिप हो, बुलेट सामग्री हो या इंजन टरबाइन का पुर्ज़ा, रणनीतिक सामग्रियों के बिना कुछ भी संभव नहीं है। उन्होंने कहा,÷ हम एक ऐसी नींव तैयार कर रहे हैं जो आने वाले वर्षों में भारत की तकनीकी संप्रभुता को मज़बूत करेगी।

सुरक्षा बलों ने मणिपुर में पांच केसीपी उग्रवादियों को किया गिरफ्तार

इम्फाल। सुरक्षा बलों और पुलिस ने मणिपुर के थौबल और बिष्णुपुर जिलों में समन्वित अभियानों के दौरान प्रतिबंधित कांगलीपाक कम्युनिस्ट पार्टी (केसीपी) के विभिन्न गुटों से जुड़े पांच सक्रिय उग्रवादियों को गिरफ्तार किया है।

पुलिस के अनुसार केसीपी (नोंगड्रेनखोम्बा) के एक सक्रिय कार्यकर्ता को शुक्रवार को थौबल जिले में उसके आवास से गिरफ्तार किया गया। वह कथित तौर पर जबरन वसूली, नए कार्यकर्ताओं की भर्ती और संगठन के लिए हथियारों और गोला-बारूद के परिवहन में शामिल था। वहीं, एक अन्य अभियान में सुरक्षा बलों ने केसीपी (तैयबांगनगांबा) समूह के सदस्यों को आश्रय प्रदान करने के आरोप में बिष्णुपुर जिले से एक और व्यक्ति को गिरफ्तार किया। इस अभियान के दौरान पुलिस ने उसी स्थान से केसीपी (तैयबांगनगांबा) के दो सक्रिय कार्यकर्ताओं को भी गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने बताया कि प्रारंभिक पूछताछ के दौरान मिली जानकारी के आधार पर सुरक्षा बलों ने बिष्णुपुर थाना अंतर्गत नाचौ पंथोंग इलाके से केसीपी (ताइबांगनगांबा) के एक अन्य सक्रिय सदस्य को गिरफ्तार किया। गिरफ्तार उग्रवादियों के पास से सुरक्षा बलों ने एक .32 मिमी पिस्तौल, एक मैगज़ीन और पाँच कारतूस, पाँच मोबाइल फ़ोन और एक बैग बरामद कियाऔर ज़ब्त की गई वस्तुओं को प्रतिबंधित संगठन के नेटवर्क और गतिविधियों का पता लगाने के लिए संबंधित पुलिस थानों को सौंप दिया गया है।

जीएसटी पर कांग्रेस का पक्ष रखने वालों को शिक्षित करने की सीतारमण की सलाह

नयी दिल्ली। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) व्यवस्था में हाल में किये गए सुधारों को सही दिशा में लौटने वाला कदम बताने जैसी विपक्षी कांग्रेस पार्टी की टिप्पणियों को लेकर उसकी तीखी आलोचना की और कहा कि कांग्रेस में जीएसटी पर बोलने वालों को शिक्षित किए जाने की जरूरत है।

श्रीमती सीतारमण जीएसटी में सुधार के प्रभाव पर विशेष रूप से आयोजित एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित कर रही थीं जिसमें उनके साथ वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल और सूचना एवं प्रसारण, रेल तथा इलेक्ट्रानिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी (मेइटी) मंत्रालय के मंत्री अश्विनी वैष्णव भी थे। श्रीमती सीतारण ने कहा, %मेरा ईमानदारी से यह सुझाव है कि कांग्रेस पार्टी की ओर से जीएसटी पर जो भी बोलता हे, उसे कुछ पूर्व वित्त मंत्रियों के साथ बिठा कर टिप्पणी करने से पहले उन्हें शिक्षित करना चाहिए।÷ उनसे पूछा गया था कि कांग्रेस पार्टी जीएसटी सुधारों को सही राह पर लौटने वाला कदम बता रही है और वह इस बात की जवाबदेही भी चाहती है कि इतने समय तक लोगों को जीएसटी के ऊंचे बोझ के नीचे क्यों रखा गया। श्रीमती सीतारमण ने कहा कि कांग्रेस की ओर से बोलने वालों को न जाने कौन सिखाता-पढ़ाता है। उन्होंने कहा कि जीएसटी की राह मोदी सरकार ने ही निर्धारित की थी और सात-आठ साल के अंदर ही सरकार ने जनता और पूरी अर्थव्यवस्था के फायदे के लिए अप्रत्यक्ष कर प्रणाली में अब और सुधार किया है। वित्त मंत्री ने कहा कि किसी भी सरकार का कर कम करने का कोई कदम कोर्स करेक्शन (सही दिशा में लौटना) नहीं होता। उन्होंने कहा कि कांग्रेस के दिनों में कर यह 98 प्रतिशत, 91 प्रतिशत तक थे।.. और अगर वे इसे कोर्स करेक्शन कहना भी चाहें, तो कांग्रेस के ज़माने में उन्होंने इसकी कोशिश भी नहीं की थी। वित्त मंत्री ने कहा, मेरा मानना है कि जीएसटी में कमी लोगों के हित में है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी हमें यही करने के लिए कह रहे हैं। सात साल, आठ साल के भीतर, कर की दर कम करने का कोई विकल्प सामने आ रहा है। तो यह कोई सही रास्ते पर लौटने जैसी बात नहीं है। उन्होंने जीएसटी में कटौती को अमेरिकी शुल्क नीति या बिहार चुनाव से जोड़ने की बात को भी खारिज किया। उन्होंने कहा कि देश में कहीं न कहीं तो चुनाव लगा ही रहता है।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने धनतेरस पर किया रुड़की जिला कार्यालय का लोकार्पण

रूड़की क्षेत्र की छह विधानसभाओं में भाजपा कार्यकर्ताओं की ऊर्जा का केंद्र नया भवन

पथ प्रवाह, हरिद्वार

धनतेरस के शुभ अवसर पर मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने शनिवार को रुड़की में नव निर्मित भाजपा जिला कार्यालय भवन का लोकार्पण किया। वैदिक मंत्रोच्चार, हवन-पूजन और पूर्णाहुति के साथ प्रारंभ हुए इस कार्यक्रम में क्षेत्र के जनप्रतिनिधियों, वरिष्ठ नेताओं और भारी संख्या में पार्टी कार्यकर्ताओं की उपस्थिति रही।

मुख्यमंत्री पुष्कर धामी ने इस अवसर पर उपस्थित जनप्रतिनिधियों, कार्यकर्ताओं और क्षेत्रवासियों को धनतेरस, दीपावली, गोवर्धन पूजा, भाई दूज और छठ पूजा की शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि भाजपा का हर कार्यालय कार्यकर्ताओं की निष्ठा, अनुशासन और संगठन की शक्ति का प्रतीक है।

हजारों कार्यकर्ताओं के समर्पण का प्रतीक – मुख्यमंत्री धामी

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि भाजपा संगठन देशभर में अपने ढांचे को मजबूत कर रहा है। आधुनिक तकनीक से सुसज्जित यह नया कार्यालय उसी सशक्त संगठन का उदाहरण है। उन्होंने कहा कि यह कार्यालय भवन सिर्फ दीवारों का ढांचा नहीं, बल्कि हजारों कार्यकर्ताओं की निष्ठा, समर्पण और एकजुटता का प्रतीक है।

मुख्यमंत्री पुष्कर धामी ने कहा कि यह कार्यालय क्षेत्र की छह विधानसभाओं के लिए ऊर्जा का केंद्र बनेगा। यहां से संगठन की योजनाओं और विकास कार्यों का संचालन होगा ताकि समाज के अंतिम छोर तक बैठे व्यक्ति तक शासन की योजनाओं का लाभ पहुंचाया जा सके।

उन्होंने कहा कि भाजपा देश की सबसे बड़ी राजनीतिक पार्टी है, जो अनुशासन, संगठन और समर्पण के सिद्धांतों पर चलती है। पार्टी हर स्तर पर अपने कार्यकर्ताओं का सम्मान करती है और उन्हें देश निर्माण में भागीदारी का अवसर देती है

विश्वगुरु बनने की राह पर भारत

मुख्यमंत्री पुष्कर धामी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत तेजी से विकास के पथ पर अग्रसर है। उन्होंने कहा कि देश अपने गौरवशाली अतीत से जुड़ते हुए आत्मनिर्भरता की दिशा में बढ़ रहा है। हम सभी को स्वदेशी उत्पादों को अपनाना चाहिए। यही सच्ची देशभक्ति है और यही आत्मनिर्भर भारत का आधार है।

नई ऊर्जा का संचार करेगा कार्यालय

हरिद्वार सांसद और पूर्व मुख्यमंत्री त्रिवेंद्र सिंह रावत ने भी कार्यकर्ताओं को दीपावली की शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि भगवान धनवंतरी के अवतरण दिवस पर भाजपा कार्यालय का शुभारंभ अत्यंत शुभ संकेत है। इस कार्यालय से कार्यकर्ताओं में नई ऊर्जा और संगठन में नई मजबूती आएगी। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री के नेतृत्व में भारत विश्व मंच पर अपनी पहचान मजबूत कर रहा है और हर क्षेत्र में नए कीर्तिमान स्थापित कर रहा है। उन्होंने भी स्वदेशी वस्तुओं को बढ़ावा देने की अपील की।

यहीं से तय होगी क्षेत्र के विकास की रूपरेखा

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष महेंद्र भट्ट ने कहा कि रुड़की जिला कार्यालय क्षेत्र के विकास कार्यों का संचालन केंद्र बनेगा। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री की ÷मन की बात÷ जैसे कार्यक्रमों को प्रत्येक बूथ स्तर तक पहुंचाया जाएगा, जिससे संगठन की जड़ें और मजबूत होंगी।

जिला अध्यक्ष डॉ. मधु सिंह ने जताया आभार

भाजपा जिला अध्यक्ष डॉ. मधु सिंह ने लोकार्पण समारोह में मुख्यमंत्री, जनप्रतिनिधियों, कार्यकर्ताओं और क्षेत्रवासियों का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि यह भवन भाजपा परिवार की एकता और सामूहिक परिश्रम का परिणाम है।

कार्यक्रम में रही जनसैलाब जैसी भीड़

भव्य कार्यक्रम में राज्यसभा सांसद कल्पना सैनी, जिला पंचायत अध्यक्ष किरण चौधरी, रुड़की मेयर अनीता अग्रवाल, जून अखाड़े के महामंडलेश्वर यतींद्रानंद गिरी महाराज, प्रदेश उपाध्यक्ष राकेश गिरी, प्रदेश महामंत्री कुंदन परिहार, विधायक प्रदीप बत्रा, राज्य मंत्री देशराज कर्णवाल, राज्य मंत्री शोभाराम प्रजापति, जिला प्रभारी आदित्य चौहान, पूर्व विधायक कुंवर प्रणव सिंह चैंपियन, जिलाधिकारी मयूर दीक्षित, एसएसपी प्रमेंद्र सिंह डोभाल, सीडीओ ललित नारायण मिश्र, एडीएम पी.आर. चौहान सहित भारी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता और स्थानीय नागरिक मौजूद रहे।

एक नजर

हरिद्वार पुलिस ने जनता को दिया धनतेरस और दीवाली का तोहफ़ा

पथ प्रवाह, हरिद्वार। जनपद हरिद्वार की कोतवाली ज्वालापुर पुलिस ने उन लोगों के चेहरे पर खुशी लौटाकर धनतेरस और दीवाली का तोहफा दिया है जिनके मोबाइल खोने से चेहरों पर उदासी छा गई थी। पुलिस ने खोए 38 मोबाइल फोन ढूंढकर उनके असली मालिकों को सौंपें। जनता की उम्मीदों पर खरी उतरी ज्वालापुर पुलिस त्योहार पर लोगों की खुशियों की वजह बनी। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक हरिद्वार के निर्देशन में ज्वालापुर पुलिस ने एक सराहनीय कार्य करते हुए क्षेत्र के नागरिकों के खोए हुए कुल 38 मोबाइल फोन बरामद किए हैं। इन मोबाइल फोनों को CEIR (Central Equipment Identity Register) पोर्टल की मदद से ट्रेस किया गया। बरामद मोबाइलों की अनुमानित कीमत लगभग 5 लाख बताई जा रही है। पुलिस द्वारा सभी मोबाइल स्वामियों से संपर्क स्थापित कर उन्हें कोतवाली ज्वालापुर बुलाया गया। बाद में पुलिस टीम द्वारा सत्यापन उपरांत संबंधित स्वामियों को उनके फोन सुपुर्द किए गए। फोन प्राप्त कर नागरिकों ने ज्वालापुर पुलिस का हार्दिक आभार जताया और कहा कि, धनतेरस और दीपावली से बड़ा उपहार हमारे लिए यह नहीं हो सकता था कि हमें अपना खोया फोन वापस मिल गया। पुलिस टीम में वरिष्ठ उपनिरीक्षक खेमेंद्र गंगवार, हेड कांस्टेबल विरेन्द्र कुटियाल, कांटस्टेबल विक्रम तोमर, सुनील, सुखदेव शामिल रहे।

त्योहारों पर जनता की सुरक्षा के लिए कप्तान ने सड़कों पर उतारा फोर्स

पथ प्रवाह हरिद्वार। त्योहारों में सुरक्षा और यातायात व्यवस्था के लिए एसएसपी हरिद्वार ने देहात और सिटी क्षेत्र के लिए अतिरिक्त पुलिस फोर्स दिया है। त्योहारी सीजन में पुलिस का फोकस आपसी सौहार्द एवं कानून व्यवस्था बनाने पर है। एससपी ने 173 प्रशिक्षणाधीन मुख्य

आरक्षी, 2 कंपनी, 2 प्लाटून, डेढ़ सैक्शन पीएसी सुरक्षा में अतिरिक्त तैनात की है। आगामी त्योहार धनतेरस/ दीपावली/ गोवर्धन पूजा/ भैया दूज के अवसर पर सुरक्षा/ यातायात व्यवस्था हेतु थाना प्रभारियों द्वारा की गई मांग व एटीसी हरिद्वार से प्राप्त प्रशिक्षक एवं प्रशिक्षणाधीन मुख्य आरक्षियों की संख्या के सापेक्ष एसएसपी प्रमेन्द्र सिंह डोबाल द्वारा एसपी ट्रैफिक/ सिटी/ देहात के लिए अतिरिक्त फोर्स आवंटित कर संबंधित अधिकारियों को प्वाइंटवार ड्यूटी लगाए जाने हेतु दिशा निर्देश दिए गए हैं। जारी आदेश में पुलिस कप्तान द्वारा शेष पुलिस बल एवं मदों में नियुक्त पुलिस बल को कमरबंदी की दशा में पुलिस लाइन रोशनाबाद हरिद्वार में मौजूद रहने व पुलिस कार्यालय/ अभियोजन कार्यालय में नियुक्त पुलिस बल (मिनिस्ट्रियल स्टॉफ सहित) को तैयारी दशा में रहने के निर्देश जारी किए गए। पुलिस अधीक्षक नगर कार्यालय को 75 प्रशिक्षक एवं प्रशिक्षणाधीन मुख्य आरक्षी, 03 फायर टेंकर व 01 कंपनी, 01 प्लाटून, डेढ़ सेक्शन पीएसी, जबकि पुलिस अधीक्षक ग्रामीण कार्यालय को 77 प्रशिक्षक एवं प्रशिक्षणाधीन मुख्य आरक्षी, 04 फायर टेंकर, 01 टियर व 01 कंपनी, 01 प्लाटून पीएसी तथा पुलिस अधीक्षक यातायात कार्यालय को 21 प्रशिक्षक एवं प्रशिक्षणाधीन मुख्य आरक्षी आवंटित किये गए हैं।

फ्रेंडली दीपोत्सव मनाएं, मिट्टी के दीए जलाएं: श्रीमहंत रविंद्र पुरी महाराज

पथ प्रवाह, हरिद्वार। दीपावली के अवसर पर हम सभी को अपने घरों और मंदिरों में मिट्टी के दीए जलाने चाहिए, जिससे परंपराओं का संरक्षण होगा और स्थानीय कुम्हारों एवं शिल्पकारों को भी आर्थिक सहयोग मिलेगा। यह संदेश अखिल भारतीय अखाड़ा परिषद के अध्यक्ष एवं श्री मनसा देवी मंदिर ट्रस्ट के अध्यक्ष श्रीमहंत रविंद्र पुरी महाराज ने दीपोत्सव के अवसर पर देशवासियों को दिया।

श्रीमहंत रविंद्र पुरी महाराज ने कहा कि दीपावली अंधकार से प्रकाश, बुराई पर अच्छाई और असत्य पर सत्य की विजय का पर्व है। इसे हमें भारतीय संस्कृति की गरिमा के अनुरूप, पारंपरिक और पर्यावरण-मित्र तरीके से मनाना चाहिए। उन्होंने सभी से अपील की कि इस बार ÷फ्रेंडली दीपोत्सव÷ मनाएं– ऐसा दीपोत्सव जो न केवल आनंददायक और सुरक्षित हो, बल्कि प्रकृति-संरक्षक भी बने। उन्होंने पर्यावरण की रक्षा के लिए पटाखों से दूरी बनाने और प्राकृतिक संसाधनों की बचत

करने का आग्रह किया। कहा कि हमारा प्रयास होना चाहिए कि दीपावली पर खुशियां बांटें, प्रदूषण नहीं। इस अवसर पर श्रीमहंत जी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के नेतृत्व की सराहना करते हुए कहा कि दोनों ही नेतृत्वकर्ताओं के मार्गदर्शन में देश और प्रदेश चहुंमुखी विकास की ओर अग्रसर हैं। चाहे वह बुनियादी ढांचे का निर्माण हो, धार्मिक पर्यटन का विस्तार या युवाओं के लिए रोजगार सृजन– हर क्षेत्र में सकारात्मक बदलाव स्पष्ट दिखाई दे रहा है, उन्होंने कहा।

हरिद्वार जैसे पवित्र नगर की विशेषता बताते हुए महंत रविंद्र पुरी महाराज ने कहा कि यहां दीपावली का पर्व आध्यात्मिक और सांस्कृतिक दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण होता है। उन्होंने श्रद्धालुओं से अनुरोध किया कि वे मंदिरों में दर्शन के दौरान स्वच्छता और अनुशासन का पालन करें तथा सद्भावना बनाए रखें।

अंत में उन्होंने सभी देशवासियों को दीपावली की मंगलकामनाएं देते हुए कहा– प्रकाश का यह पर्व आपके जीवन में सुख, समृद्धि और शांति लेकर आए। आइए, हम सभी फ्रेंडली दीपोत्सव मनाएं – मिट्टी के दीए जलाएं, परंपराओं को निभाएं और प्रकृति को अपनाएं।

हरिद्वार नगर आयुक्त से वार्ड 40-41 के विकास कार्यों को लेकर पार्षदों की मुलाकात , ज्ञापन सौंपा

पथ प्रवाह, संवाददाता हरिद्वार

नगर निगम हरिद्वार के नगर आयुक्त नंदन कुमार (IAS) से वार्ड 40 एवं वार्ड 41 के विकास कार्यों को लेकर आज पार्षदों का प्रतिनिधिमंडल मिला। मुलाकात में दोनों वार्डों के नागरिकों की सुविधा और विकास से जुड़ी विभिन्न आवश्यकताओं पर विस्तार से चर्चा की गई।

इस दौरान वार्ड 40 और वार्ड 41 के विकास कार्यों से संबंधित ज्ञापन नगर आयुक्त को सौंपा गया। ज्ञापन में सड़क, नालियों, सफाई, जलापूर्ति और अन्य स्थानीय विकास मुद्दों का समावेश था, ताकि नगर निगम के आगामी कार्यों में इन्हें प्राथमिकता दी जा सके।

बैठक में वार्ड 40 के पार्षद प्रतिनिधि आरिफ कुरैशी और वार्ड 41 के पार्षद अरशद ख्वाजा भी मौजूद रहे। दोनों ने अपने-अपने वार्डों के विकास और समस्याओं पर विचार साझा किए।

नगर आयुक्त ने प्रतिनिधियों को आश्वस्त

किया कि नगर निगम प्रशासन दोनों वार्डों के विकास कार्यों को शीघ्र प्रभावी ढंग से लागू करने में तत्पर है। उन्होंने कहा कि जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों के सहयोग से ही नगर के विकास कार्य सफलतापूर्वक पूरे किए जा सकते हैं। बैठक के समापन पर उपस्थित प्रतिनिधियों ने नगर आयुक्त के सहयोग और संवाद की सराहना की।

रेसर बाइक से मोबाइल छीनने वाले दो बदमाश गिरफ्तार

पथ प्रवाह, हरिद्वार

त्योहारों के सीजन में कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए सिडकुल पुलिस की चौकसी रंग लाई। मोबाइल स्नैचिंग की वारदात को अंजाम देकर फरार हुए दो शातिर युवकों को पुलिस ने मात्र 24 घंटे के भीतर गिरफ्तार कर लिया। दोनों आरोपी तेज रफ्तार पल्सर 220 सीसी मोटरसाइकिल से मोबाइल छीनने की वारदातों को अंजाम देते थे। पुलिस ने इनके कब्जे से छीना गया वीवो मोबाइल फोन और वारदात में प्रयुक्त मोटरसाइकिल बरामद की है।

घटना का विवरण

17 अक्टूबर 2025 को शिवम कुमार पुत्र शेर सिंह निवासी बावनपुरा, जिला बिजनौर (हाल मीनाक्षीपुरम, सिडकुल, हरिद्वार) ने थाना सिडकुल में तहरीर देकर बताया कि वह मीनाक्षीपुरम गेट के पास खड़ा था, तभी तीन अज्ञात मोटरसाइकिल सवार उसके हाथ से वीवो मोबाइल फोन छीनकर फरार हो गए।

तहरीर के आधार पर थाना सिडकुल पर मुकदमा अपराध संख्या 533/25, धारा 304(2) ब्नह्स पंजीकृत कर विवेचना उपनिरीक्षक अनिल बिष्ट को सौंपी गई।

पुलिस की त्वरित कार्रवाई

एसएसपी प्रमेंद्र डोबाल के निर्देशों पर सिडकुल थाना प्रभारी नितेश शर्मा के नेतृत्व में उपनिरीक्षक अनिल बिष्ट पुलिस टीम के साथ गश्त पर थे। गश्त के दौरान दवा चौक के पास दो व्यक्ति मोटरसाइकिल पल्सर 220 सीसी पर आते दिखाई दिए। पुलिस को देखकर वे पीछे मुड़कर भागने लगे, जिस पर शक होने पर पुलिस टीम ने घेराबंदी कर दोनों को दबोच लिया।

तलाशी के दौरान उनके पास से एक मोबाइल फोन बरामद हुआ। पूछताछ में दोनों ने स्वीकार किया कि उन्होंने यह मोबाइल मीनाक्षीपुरम गेट सिडकुल से छीना था।

IMEI नंबर की जांच में पुष्टि हुई कि बरामद फोन वही है जो 17 अक्टूबर को छीना गया था।

गिरफ्तार आरोपी

धर्मेंद्र पुत्र राजकुमार निवासी ग्राम जड़ौदा पांडा, थाना बड़ागांव, जिला सहारनपुर (उ.प्र.), हाल निवासी डेंसो चौक, रावली महदूद, सिडकुल।

सागर पुत्र विजयपाल निवासी ग्राम शिवपुरी, थाना अफजलगढ़, जिला बिजनौर (उ.प्र.), हाल निवासी डेंसो चौक, रावली महदूद, सिडकुल।

दोनों को मौके पर गिरफ्तार कर मुकदमे में धारा 317(2) ब्नह्स की वृद्धि की गई। अभियुक्तों को आज न्यायालय में प्रस्तुत किया जा रहा है।

बरामदगी

एक वीवो मोबाइल फोन (संबंधित मुकदमा अपराध संख्या 533/25)

एक मोटरसाइकिल पल्सर 220 सीसी

पुलिस टीम

उपनिरीक्षक अनिल बिष्ट, कांस्टेबल प्रमोद कुमार, कांस्टेबल प्रदीप थाना सिडकुल, जनपद हरिद्वार

थाना प्रभारी का बयान

थाना सिडकुल प्रभारी नितेश शर्मा ने बताया कि दीपावली पर्व के दृष्टिगत जनपद में गश्त और चेकिंग बढ़ाई गई है। ऐसे अपराधों पर सख्त निगरानी रखी जा रही है। अपराधियों पर त्वरित कार्रवाई कर जनता में सुरक्षा का भाव बढ़ाना पुलिस की प्राथमिकता है।

मुख्य नगर आयुक्त आईएएस नंदन कुमार की सख्ती, दो कर्मचारियों को नोटिस, छुट्टियां रद्द

पथ प्रवाह, संवाददाता — हरिद्वार

दीपावली पर्व पर हरिद्वार को स्वच्छ और सुंदर बनाए रखने के लिए नगर निगम ने बड़ा और सख्त कदम उठाया है। मुख्य नगर आयुक्त आईएएस नंदन कुमार ने आदेश जारी कर निगम के स्वास्थ्य विभाग के सभी फील्ड कर्मचारियों और अधिकारियों की छुट्टियां रद्द कर दी हैं। अब सभी सफाईकर्मी और अधिकारी दिवाली के दिन भी ड्यूटी पर रहेंगे। साथ ही नगर आयुक्त ने साफ निर्देश दिए हैं कि स्वच्छता व्यवस्था में किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

भूपतवाला में कूड़ा मिलने पर दो अफसरों को कारण बताओ नोटिस

नगर आयुक्त नंदन कुमार ने भूपतवाला क्षेत्र के निरीक्षण के दौरान निष्काम सेवा ट्रस्ट के पास कूड़ा फैला हुआ देखा, जिस पर उन्होंने कड़ी नाराज़गी जताई। मौके पर क्षेत्रीय सफाई निरीक्षक और सुपरवाइजर के अनुपस्थित रहने पर दोनों को तत्काल प्रभाव से कारण बताओ नोटिस जारी किया गया।

नगर आयुक्त नंदन कुमार ने संबंधित डोर-टू-डोर कूड़ा उठाने वाली एजेंसी पर अर्थदंड लगाने के निर्देश दिए और दोबारा लापरवाही पर सख्त कार्रवाई की चेतावनी दी। उन्होंने साफ कहा कि त्योहारों के दौरान ड्यूटी से गायब रहना या सफाई में कोताही गंभीर अनुशासनहीनता मानी जाएगी।

रानीपुर मोड़ पर निरीक्षण, व्यापारियों से संवाद

निरीक्षण के दौरान नगर आयुक्त नंदन कुमार ने रानीपुर मोड़ क्षेत्र का भी दौरा किया। वहां उन्होंने क्षेत्रीय पार्षद राजेश शर्मा और स्थानीय व्यापारियों से मुलाकात कर सफाई व्यवस्था से जुड़ी समस्याओं व सुझावों पर चर्चा की।

आयुक्त ने निगम द्वारा लगाए गए ट्विन डस्टबिनों की व्यवस्था का भी स्थलीय निरीक्षण किया और इसे आमजन की सुविधा के लिए उपयोगी बताया।

सफाई हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता — नगर आयुक्त नंदन कुमार

मुख्य नगर आयुक्त नंदन कुमार ने कहा कि दीपावली जैसे बड़े पर्व पर सफाई व्यवस्था शहर की प्रतिष्ठा का विषय है। हरिद्वार देश और दुनिया से आने वाले श्रद्धालुओं का केंद्र है, ऐसे में किसी भी कोने में कूड़ा या गंदगी नहीं दिखनी चाहिए। उन्होंने बताया कि शहर के सभी प्रमुख बाज़ारों, घाटों और कॉलोनियों में सफाईकर्मी पूरी क्षमता से ड्यूटी देंगे। आयुक्त नंदन कुमार ने मुख्य सफाई निरीक्षकों को निर्देशित किया कि वे अपने सुपरवाइज़रों के माध्यम से व्यापारियों और नागरिकों को कम्पोस्टेबल कूड़ा बैग उपलब्ध कराएं, ताकि प्लास्टिक कचरे की समस्या पर नियंत्रण पाया जा सके।

ज्वालापुर और कनखल में दिए सख्त निर्देश

नगर आयुक्त नंदन कुमार ने ज्वालापुर और कनखल क्षेत्रों का भी औचक निरीक्षण किया और कहा कि ये क्षेत्र धार्मिक रूप से संवेदनशील हैं, इसलिए यहाँ सफाई व्यवस्था और सतर्कता दोनों अनिवार्य हैं। उन्होंने मुख्य सफाई निरीक्षकों को निर्देशित किया कि बाजार क्षेत्रों, गलियों और मंदिरों के आसपास विशेष टीम लगाई जाए, ताकि कूड़ा-कचरा तुरंत उठाया जा सके।

त्योहार पर भी सफाई मिशन जारी

नगर निगम हरिद्वार ने स्पष्ट किया है कि दीपावली के दौरान स्वच्छता अभियान में कोई ढिलाई नहीं बरती जाएगी। प्रत्येक कर्मचारी से ड्यूटी की जानकारी ली जाएगी और जो भी अनुपस्थित मिलेगा, उसके खिलाफ तत्काल अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी। नगर आयुक्त नंदन कुमार ने कहा कि हरिद्वार की स्वच्छता हमारी प्राथमिक जिम्मेदारी है। दीपावली पर हर गली, हर मोहल्ला, हर घाट चमकना चाहिए — यह नगर निगम की सामूहिक प्रतिबद्धता है।

जिलाधिकारी मयूर दीक्षित की सख्ती, कार्यों में लापरवाही पर सस्पेंड किया वरिष्ठ सहायक

पथ प्रवाह हरिद्वार। हरिद्वार जनपद में प्रशासनिक अनुशासन को बनाए रखने के लिए जिलाधिकारी मयूर दीक्षित लगातार सख्त कदम उठा रहे हैं। इसी क्रम में उन्होंने शासकीय कार्यों में लापरवाही और उदासीनता बरतने के आरोप में तहसील के एक कार्मिक को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है।

एसडीएम की रिपोर्ट पर कार्रवाई

प्राप्त जानकारी के अनुसार, उप जिलाधिकारी हरिद्वार द्वारा जिलाधिकारी को भेजी गई रिपोर्ट में बताया गया था कि महेश कुमार सोनी, सहायक वाचक व वरिष्ठ सहायक, तहसील हरिद्वार में तैनात रहते हुए अपने शासकीय कार्यों के प्रति गंभीर लापरवाही, उदासीनता और नकारात्मक दृष्टिकोण प्रदर्शित कर रहे थे।

नोटिस का भी नहीं दिया जवाब

रिपोर्ट में यह भी उल्लेख किया गया कि तहसीलदार हरिद्वार द्वारा उन्हें स्पष्टीकरण देने के लिए नोटिस जारी किया गया था, किन्तु महेश कुमार सोनी द्वारा निर्धारित समयावधि में कोई उत्तर प्रस्तुत नहीं किया गया। इसे गंभीर प्रशासनिक चूक मानते हुए जिलाधिकारी ने उनके विरुद्ध अनुशासनात्मक कार्यवाही करते हुए निलंबन के आदेश जारी किए।

कलेक्ट्रेट के संग्रह अनुभाग से सम्बद्ध

निलंबन अवधि में महेश कुमार सोनी को कलक्ट्रेट हरिद्वार के संग्रह अनुभाग में सम्बद्ध किया गया है। इस अवधि में उन्हें वित्तीय नियम संग्रह खंड-2 से 4 के मूल नियम-53 के तहत जीवन निर्वाह भत्ता

प्रदान किया जाएगा, जो अर्द्ध वेतन पर देय अवकाश वेतन के बराबर होगा। साथ ही, मंहगाई भत्ता केवल उन्हीं परिस्थितियों में अनुमन्य होगा जब वे निलंबन से पूर्व इसके पात्र रहे हों।

लापरवाही और उदासीनता बर्दाश्त नहीं

जिलाधिकारी मयूर दीक्षित ने स्पष्ट शब्दों में कहा है कि शासन की कार्यप्रणाली में लापरवाही, उदासीनता या अनुशासनहीनता को किसी भी स्तर पर बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने कहा कि प्रशासनिक दक्षता और पारदर्शिता बनाए रखने के लिए कर्तव्यनिष्ठ अधिकारियों और कर्मचारियों को प्रोत्साहित किया जाएगा, जबकि लापरवाह कर्मचारियों के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई जारी रहेगी।

आयुर्वेद की पूरक है इलेक्ट्रोहोम्योपैथी: डॉ. केपीएस चौहान

पथ प्रवाह हरिद्वार। बहादराबाद स्थित इएमए कैम्पस बालाजी इंस्टिट्यूट ऑफ अल्टरनेटिव मेडिकल साइंस एंड कैंसर रिसर्च सेंटर में धन्वंतरी जयंती तथा आयुर्वेद दिवस कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर सभी को धन्वंतरी जयंती और आयुर्वेद दिवस की शुभकामनाएं देते हुए इएमए के राष्ट्रीय अध्यक्ष डा. केपीएस चौहान ने कहा कि इलेक्ट्रोहोम्योपैथी चिकित्सको को भी भगवान धन्वंतरी का आशीर्वाद प्राप्त है। इलेक्ट्रोहोम्योपैथी आयुर्वेद की पूरक हैं। डा. केपीएस चौहान ने कहा कि भगवान धन्वंतरी के आशीर्वाद से पूरिपूर्ण इलेक्ट्रोहोम्योपैथी प्राकृतिक स्पेजरिक एसेंस आधारित एवं आयुर्वेद की पूरक चिकित्सा पद्धति हैं। इस अवसर पर डा.ऋचा आर्य, डा.एसके अग्रवाल, डा.आदेश शर्मा, डा.हरबंश सिंह, डा.कमलेश शर्मा ने भी आयुर्वेद दिवस की महत्ता पर अपने विचार व्यक्त किए।

संपादकीय

वैश्विक अर्थव्यवस्था पर मंडराता कर्ज और मंदी का साया

दुनिया की अर्थव्यवस्था आज एक ऐसे दो-राहे पर खड़ी है, जहाँ समृद्ध देशों की चकाचौंध के पीछे कर्ज का पहाड़ तेजी से बढ़ता ही जा रहा है। अमेरिका, फ्रांस, ब्रिटेन और जापान जैसे विकसित देशों का सार्वजनिक ऋण उनके सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) का 110 फ़ीसदी से अधिक पहुँच गया है। यह महज आंकड़ों की जादुगरी नहीं है, बल्कि एक गहराते वैश्विक संकट का संकेत है, जिसकी आंच अब पूरी दुनिया को महसूस होने लगी है। दुनियां की महाशक्ति कहे जाने वाले अमेरिका जैसे देश में हालात इतने खराब हैं कि सरकार को बार-बार लॉकडाउन जैसी नीतियों का सहारा लेना पड़ा है। लाखों लोग बेरोजगार हो चुके हैं और मध्यम वर्ग का जीवन-स्तर गिरता जा रहा है। महंगाई और टैक्स का बोझ इतना बढ़ गया है कि आम नागरिकों की जेबें खाली हो रही हैं, जबकि सरकारें अपने खर्चों को पूरा करने के लिए साल-दर-साल कर्ज पर निर्भर होती जा रही हैं। अमेरिका की यह समस्या अब केवल उसकी नहीं रही, फ्रांस, ब्रिटेन और जापान जैसे देशों में भी यही हाल है। दूसरी ओर, विकासशील देशों की स्थिति और भी विकट है। श्रीलंका, बांग्लादेश और नेपाल जैसे देशों में हाल के वर्षों में जो जनविद्रोह देखे गए, वे इस बात के प्रतीक हैं कि वैश्विक अर्थव्यवस्था का ढांचा हिल चुका है। बढ़ती महंगाई, घटती नौकरियाँ और शिक्षा-स्वास्थ्य पर कटौती ने आम जनता के जीवन को असहनीय बना दिया है। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) जैसी तकनीक जहाँ उत्पादकता बढ़ा रही हैं, वहीं बेरोजगारी को भी नई ऊँचाइयों पर पहुँचा रही हैं। लाखों लोग अपनी नौकरियाँ खो चुके हैं, और जो काम पर हैं, वे भी असुरक्षा की स्थिति में जी रहे हैं।

इस पर मौजूदा सरकारों का ध्यान रक्षा, ब्याज भुगतान और जलवायु परिवर्तन पर खर्च में तो है, परंतु जनता की बुनियादी जरूरतों को उपेक्षित किया हुआ है। शिक्षा और स्वास्थ्य पर खर्च घटाने से सामाजिक असंतोष बढ़ रहा है। यूरोप और एशिया के कई देशों में लगातार विरोध-प्रदर्शन हो रहे हैं, सरकारें गिर रही हैं, पर नई सरकारें भी आर्थिक संकट का समाधान नहीं खोज पा रही हैं। इस अव्यवस्था के चलते जनता का विश्वास अपनी ही सरकारों और सिस्टम के प्रति तेजी से घट रहा है। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) की रिपोर्ट के अनुसार, आने वाले वर्षों में यूरोप और अमेरिका जैसे विकसित देशों पर ब्याज, पेंशन, स्वास्थ्य, रक्षा और जलवायु खर्च का भारी दबाव रहेगा। अमेरिका को अपने खर्च और आय के बीच का अंतर पाटने के लिए टैक्स बढ़ाना पड़ेगा और सार्वजनिक खर्च में कटौती करनी होगी। पर चिंता इस बात की है कि इसका सीधा असर भी आम नागरिकों पर पड़ेगा, यानी रोजगार घटेंगे, महंगाई बढ़ेगी और जीवनयापन और कठिन हो जाएगा। इस बीच एशिया की स्थिति भी चिंताजनक है। चीन और दक्षिण कोरिया ने पिछले दो दशकों में अपनी जनशक्ति का उपयोग कर आर्थिक मजबूती हासिल की, पर भारत जैसी युवा आबादी वाले देश अभी भी इस क्षमता का पूर्ण उपयोग नहीं कर पाए हैं। भारत की युवा शक्ति यदि उचित दिशा नहीं पा सकी, तो बेरोजगारी और असंतोष यहाँ भी गंभीर सामाजिक समस्या बन सकता है। दुनिया भर में एक नई प्रवृत्ति देखने को मिल रही है, स्थायी नौकरियों की जगह अस्थायी और अनुबंध आधारित रोजगार के साथ ही ठेका पद्धति का चलन बढ़ा है।

प्रकृति से तादाम्यत का पर्व है दीपोत्सरव

राकेश कुमार वर्मा

प्रकृति में अमावस और पूनम परस्पमर पाक्षिक अंतराल में निश्चित हैं लेकिन संस्कृजति में अमावस और पूनम से परे जीवन की यात्रा अनिश्चित होती है। इसलिए जीवन की सार्थकता को पर्वों से आबद्ध करते हैं ।यह पर्व रिश्तों को परस्पीर जीवंत बनाते हैं। इनसे जुड़ी लोक कथाएं ने केवल मानवीय मूल्यों को पुष्टस करते हैं अपितु अंतर्मन को आंकाश की भांति मुक्तत करती हैं। यंत्रीकरण के इस दौर में अतीत के मिथक और कहानियाँ अधिक प्रासंगिक हो गई हैं ।जैसे प्रकृति ऋतु परिवर्तन को स्वीकार करती है, वैसे ही परंपराओं को सहेजने के लिए ही नहीं, अपितु वर्तमान आभासी दुनिया में अस्तित्व के लिए इनकी सहज अनुभूतियां अपरिहार्य हैं।

वस्तुात-दिवाली एक हिंदू त्यौहार है जिसका संबंध अयोध्या आगमन पर श्रीराम के स्वा्गत से है जो रावण पर विजय प्राप्ति से अधिक आंतरिक रावण अर्थात अहंकार पर विजय के महत्वध से है। दिवाली का आरंभ धनतेरस से होता है। यह स्वा स्यव औषधि के देवता धन्वैंतरि की पूजा सहित कीमती धातुओं की खरीदारी से संबंधित है। मानसून के बाद की फसल के मौसम से दिवाली की उत्पत्ति मानी गई है। इनका संबंध लक्ष्मीा से है। लक्ष्मी शब्दक लक्ष और अन्न (भोजन) से संबंधित होने के कारण इस प्रतीक का महत्वै हैं ।

दक्षिण भारतीय परंपराओं में, दिवाली समारोह का आयोजन अमावस्या की पूर्व संध्या पर, यानी 14वें दिन होता है। इसमें पत्नियाँ सुबह-सुबह अपने पतियों को तेल और इत्र से स्नान कराती हैं फिर, नारकासुर के विनाश का प्रतीक बनाने के लिए एक ककड़ी जैसे फल (करित) को कुचला जाता है। गोवा में, नारकासुर के पुतले जलाए जाते हैं, और सुबह-सुबह पटाखे फोड़े जाते हैं। इस प्रकार उत्तर और दक्षिण की परंपराएँ भिन्न हैं। इसका संबंध श्रीकृष्ण द्वारा नरकासुर वध और इंद्र पराजय से भी है। दक्षिण में, यह विष्णु के वामन अवतार से और कृष्ण के छप्पृनभोग से संबंधित हैं। वहीं यह लक्ष्मी, काली पूजा अनुष्ठांन सहित भूतों की पूजा से भी संबंधित है ।इसके अतिरिक्तष दीवाली को विभिन्न रूपों में अन्य धर्मों के अनुयायियों द्वारा भी मनाया जाता है। जैन समुदाय तीर्थंकर महावीर स्वा मी की अंतिम मुक्ति के प्रतीक के रूप में तो मुगल जेल से गुरु हरगोबिंद की रिहाई के उपलक्ष्य सिख समुदाय इसे बंदी छोड़ दिवस के रूप में मनाते हैं । अन्य बौद्धों के विपरीत, नेवार बौद्ध , लक्ष्मी की पूजा करके दिवाली मनाते हैं, जबकि पूर्वी भारत और बांग्लादेश के हिंदू आमतौर पर देवी काली की पूजा करके दिवाली मनाते हैं । जैसे अन्य देशों में क्रिसमस मनाया जाता है, वैसे ही दिवाली खरीदारी उत्सव के रूप में विकसित हो गई है, जहाँ व्यावसायिक गतिविधियों के आगे धार्मिक पहलू गौण हो चुके हैं।

देश के पश्चिमी भाग में, व्यापारियों के बीच, दीवाली का उत्सव अमावस्या के दिन मनाया जाता है। इसमें एक नई बैलेंस शीट का उद्घाटन होता है। दीवाली के अगले दिन गोवर्धन पूजा के दौरान कृष्ण को 56 प्रकार के भोजन का भोग अर्पित किया जाता है। दो दिन बाद, यम, अपनी बहन यमी या यमुना से मिलते हैं। यमुना, नदी, सभी नदियों की तरह, लक्ष्मी से जुड़ी हुई है। यम, मृत्यु के देवता, मृतकों की दुनिया में फंसकर, चित्रगुप्त के माध्यम से, कर्मात्मक लेखांकन से जुड़ते है। इस प्रकार, बहन जो धन का प्रतीक है, अपने भाई के कल्याण की कामना करती है। दिवाली के बाद, बिहार में महिलाएँ छठ पर्व मनाती हैं।और देवउठनी के साथ विष्णु-तुलसी विवाह होता है । इसके बाद कार्तिक पूर्णिमा में, तिरूपुरा, असुरों के तीन शहरों को नष्ट करने के लिए शिव जी तीर चलाते हैं। दीवाली की अमावस्या का संबंध पाताल के राजा परमदानी बलि के उदय से भी है। अगले दिन वह पाताल लोक में प्रस्थान करते है।

छोटी दिवाली या नरक चतुर्दशी 19 अक्टूबर 2025

अंधकार से प्रकाश, अहंकार से विनम्रता और नरक से मुक्ति का आध्यात्मिक पर्व

एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं

वैश्विक स्तरपर भारत की सांस्कृतिक औरधार्मिक परंपराएँ विश्वभर में अपनी गहराई, आध्यात्मिकता और मानवता के संदेश के लिए जानी जाती हैं। दीपावली का पंचदिवसीय महापर्व केवल एक उत्सव नहीं बल्कि मानव जीवन के आत्मिक उत्थान का प्रतीक माना जाता है।इस पंचदिवसीय श्रृंखला का दूसरा दिन÷छोटी दिवाली÷ या ÷नरक चतुर्दशी÷कहलाता है।वर्ष 2025 में यह पावन दिवस 19 अक्टूबर को मनाया जाएगा। इस दिन का महत्व केवल दीप प्रज्वलन तक सीमित नहीं, बल्कि यह मानव जीवन के भीतर बसे अंधकार,नकारात्मकता और अहंकार को मिटाने का प्रतीकात्मक संदेश देता है। मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी गोंदिया महाराष्ट्र यह मानता हूं कि यह पर्व भारत ही नहीं,बल्कि विश्वभर में बसे भारतवंशियों के बीच भी समान श्रद्धा और उल्लास से मनाया जाता है। छोटी दिवाली केवल एक दिन का उत्सव नहीं, बल्कि यह मानवता के भीतर छिपे अंधकार,जैसे अहंकार, लोभ, ईर्ष्या, क्रोध और मोह,पर प्रकाश की विजय का प्रतीक है।चूँकि हमें अंतरराष्ट्रीय दृष्टिकोण से जानना कि आखिर छोटी दिवाली को नरक चतुर्दशी क्यों कहा जाता है, इस दिन किसकी पूजा की जाती है और यह पर्व क्यों मनाया जाता है?

साथियों बात अगर हम छोटी दिवाली को नरक चतुर्दशी क्यों कहा जाता है,इसको जानने की करें तो अधर्म,अहंकार और अंधकार पर धर्म,नम्रता और प्रकाश की विजय का प्रतीक हैं,छोटी दिवाली का नाम÷नरक चतुर्दशी÷इसलिए पड़ा क्योंकि यह दिन भगवान श्रीकृष्ण द्वारा राक्षस नरकासुर के वध से जुड़ा हुआ है।हिंदूधर्मग्रंथों के अनुसार, नरकासुर नामक असुर ने अत्याचार और अधर्म का साम्राज्य स्थापित कर रखा था। उसने पृथ्वी और स्वर्ग दोनों लोकों को आतंकित कर रखा था। नारी की अस्मिता का अपमान, साधुओं का अपमान और दैवीय शक्तियों को चुनौती देना उसका स्वभाव बन गया था। अंततः भगवान विष्णु ने श्रीकृष्ण अवतार में,अपनी पत्नी सत्यभामा के साथ मिलकर उसका अंत किया।कहा जाता है कि जब नरकासुर का वध हुआ, तो उसने अंतिम समय में श्रीकृष्ण से वरदान मांगा कि उसकी मृत्यु के दिन जो लोग स्नान और दीपदान करें, उन्हें नरक का भय न रहे। भगवान श्रीकृष्ण ने यह वरदान स्वीकार किया।तभी से यह दिन ÷नरक चतुर्दशी÷ के नाम से प्रसिद्ध हुआ, जिसका अर्थ है,वह चतुर्दशी जो नरक से मुक्ति का मार्ग दिखाए।छोटी दिवाली इसीलिए कही जाती है क्योंकि यह मुख्य दिवाली के एक दिन पहले आती है, और इसमें दीप जलाने की परंपरा आरंभ हो जाती है। परंतु इसके पीछे का भाव कहीं अधिक गहरा है,यह दिन हमें सिखाता है कि असली नरक बाहर नहीं, बल्कि मनुष्य के भीतर छिपे अहंकार, ईर्ष्या, द्वेष और असत्य के रूप में है। जब हम इनसे मुक्त होते हैं, तब सच्ची ÷छोटी दिवाली÷ हमारे जीवन में आती है-जब हम अपने भीतर के अंधकार को सटीक दूर कर आत्मिक प्रकाश जलाते हैं आधुनिक वैश्विक संदर्भ में यदि देखें तो ÷नरक चतुर्दशी÷ एक सार्वभौमिक संदेश देती है कि प्रत्येक व्यक्ति, समाज और राष्ट्र के भीतर जो अंधकार,अन्याय, हिंसा, लालच और भेदभाव,फैला हुआ है,उसे सत्य, सद्भाव और प्रकाश से मिटाना ही सच्चा उत्सव है। यह दिन हर व्यक्ति को यह याद दिलाता है कि नरकासुर जैसी प्रवृत्तियाँ हर युग में मौजूद रहती हैं,बस उनके रूप बदलते रहते हैं। आज का नरकासुर पर्यावरण प्रदूषण,लालच आधारित अर्थव्यवस्था, असमानता, और मानसिक तनाव के रूप में हमारे जीवन को घेर रहा है। इसलिए छोटी दिवाली का संदेश आधुनिक समय में पहले से भी अधिक प्रासंगिक है।

साथियों बात अगर हम नरक चतुर्दशी के दिन किसकी पूजा की जाती है, इसको समझने की करें तो,नरक चतुर्दशी के दिन तीन प्रमुख देवताओं की पूजा की परंपरा है,यमराज,भगवान श्रीकृष्ण,और देवी लक्ष्मी।(क)यमराज पूजा-इस दिन यमराज की पूजा का विशेष महत्व है। पौराणिक मान्यता के अनुसार जो व्यक्ति नरक चतुर्दशी के दिन सूर्योदय से पहले स्नान कर यमराज को दीपदान करता है, उसे मृत्यु का भय नहीं सताता और उसे यमलोक का दर्शन नहीं करना पड़ता। इसे ÷यम दीपदान÷ कहा जाता है।घर के बाहरदक्षिण दिशा में एक दीप जलाकर कहा जाता है,मृत्युना पाशदण्डाभ्यां कालिना श्यामया सह। त्रयोदश्यां दीपदानात् सूर्यजः प्रीयतां मम ॥ इसका अर्थ है कि इस दीप के माध्यम से मैं यमराज को प्रसन्न कर उनसे दीर्घायु और सुखमय जीवन की प्रार्थना करता हूँ।

गंगा-जमुनी तहज़ीब का प्रतीक का दीपावली

मुस्ताअली बोहरा

दिवाली ना सिर्फ घर-आंगन को बल्कि हम हिन्दुस्तानियों के दिलों को भी रौशन करे यही दुआ है। यूं तो दिवाली मनाने के पीछे कई वजहें हैं और कई पौराणिक कथाएं हैं। जैसे जैसे साल गुजरते जा रहे हैं ये त्यौहार और भी भव्य-दिव्य होता जा रहा है। दीपावली का त्यौहार सदियों से मनाया जाता रहा है। स्कन्द, भविष्य तथा पद्म पुराण में दीपावली उत्सव का वर्णन है। ब्रह्म पुराण के अनुसार कार्तिक अमावस्या की इस अंधेरी रात्रि अर्थात अर्धरात्रि में महालक्ष्मी स्वयं भूलोक में आती हैं। इसके अलावा 7 वीं सदी में राजा हर्षवर्धन के नाटकों और 10वीं शताब्दी में राजशेखर के 'काव्यमीमांसा' में भी दीपोत्सव का उल्लेख मिलता है। 7 वीं शताब्दी के संस्कृत नाटक नागनंद में राजा हर्ष ने इसे दीपप्रति पादुत्सवः कहा है जिसमें दीये जलाये जाते थे और नव वर-बधू को उपहार दिए जाते थे। नौवीं शताब्दी में राजशेखर ने काव्य मीमांसा में इसे दीपमालिका कहा है। फारसी यात्री और इतिहासकार अल बेरुनी ने भारत पर अपने 11 वीं सदी के संस्मरण में, दीपावली को कार्तिक महीने में नये चंद्रमा के दिन पर हिंदुओं द्वारा मनाया जाने वाला त्यौहार कहा है। तुलसीदास रामचरितमानस में 'विज्ञानदीप' को प्रतीक स्वरूप प्रस्तुत किया। छांदोग्य उपनिषद के अनुसार प्रकृति का समस्त सर्वोत्तम प्रकाश रूप है। सूर्य प्रकृति का भाग हैं। कठोपनिषद मुंडकोपनिषद व श्वेताश्वतर उपनिषद में कहा गया है प्रकृति के केंद्र पर सूर्य प्रकाश नहीं, चंद्र किरणों का भी नहीं। न विद्युत है और न अग्नि, लेकिन उसी एक ज्योति केंद्र से यह सब प्रकाशित है। इसी तरह वृहदारण्यक उपनिषद में 'तमसो मा ज्योतिर्गमय, असतो मा सद्गमय यानी अंधकार से प्रकाश व असत से सत की ओर चलने का संदेश है। ऋग्वेद के अनुसार, 'जन-जन को प्रकाश से भरने के लिए ही अग्नि ने अमर सूर्य को आकाश में बिठाया है। लगभग 3500 वर्ष ईसा पूर्व कठोपनिषद में यम और नचिकेता के बीच प्रश्नोत्तरों की स्मृति को भी दीपपर्व से जोड़ा जाता है।

शायद इस बात पर आपको यकीन ही ना हो लेकिन यदि इतिहासकारों की मानें, तो आज जिस धूमधाम के साथ दिवाली का उत्सव पूरा देश मनाता है उसकी शुरुआत मुगल काल में हुई थी। किसी भी पर्व या त्यौहार का महत्व तब और बढ़ जाता है जब वह मजहबी सीमाओं से परे चला जाता है। देशभर में आज जिस धूमधाम से दिवाली मनाई जाती है, उसकी शुरुआत मुगलों के शासनकाल में हुई थी। मुगल काल में सामाजिक सदभाव और पूरी शिद्दत के साथ दिवाली मनाई जाती थी। शाहजहाँ से लेकर बहादुर शाह जफर तक, हर मुगल शासक ने दिवाली को एक ऐसे त्यौहार का स्वरूप दिया जो साम्प्रदायिक सद्भाव को बढ़ावा देता था। मुगल काल में दिवाली केवल हिंदू त्योहार न होकर संपूर्ण समाज का उत्सव तो था ही साम्प्रदायिक सद्भाव और सांस्कृतिक मिलन का प्रतीक भी था। मुहम्मद बिन तुगलक, जिन्होंने सन 1324 से 1351 तक दिल्ली पर शासन किया, अपने दरबार के अंदर हिंदू त्योहार मनाने वाले पहले सम्राट बने। मुगल काल में दिवाली को जश्न-ए-चरागाँ भी कहा जाता था। पूरा लाल किला दीपों से जगमगाता जाता था। शाहजहाँ ने दिल्ली में आकाश दीया जलाने की परंपरा शुरू की थी, चालीस गज उंचे खंभे पर दिया जलाया जाता था जिसे आकाश दीया कहा जाता था। इसकी रौशनी मीलों दूर तक दिखाई देती थी। ये दीया रातभर जल सके इसके लिए एक सैनिक की तैनाती की जाती थी, जो सीढ़ी की मदद से रातभर दीये को रोशन रखने के लिए तेल डालता था। बादशाह अक्सर सोने-चाँदी से तौले जाते और यह धन गरीबों में बाँट दिया जाता था। इतिहासकारों की मानें तो शाही तौर और भव्य रूप से दिवाली मनाने की शुरूआत बादशाह अकबर के ज़माने में आगरा में हुई थी। आगरा के किले और फतेहपुर सीकरी में दिवाली पर भव्य उत्सव देखने को मिलता था। मुगल बादशाह शाहजहां, अकबर के दौर में उत्सव की भव्यता देखने लायक होती थी, औरंगजेब के दौर में तोहफे भेजे जाते थे। राजपूत घराने से मुगल दरबार में तोहफे भेजे जाते थे। जोधपुर के राजा जसवंत सिंह और जयपुर के राजा जय सिंह के यहां से मुगलों को तोहफे भेजे जाने की परंपरा थी। जब देश की राजधानी दिल्ली स्थानांतरित हुई तो लाल किले में दिवाली का भव्य आयोजन शाहजहां के दौर में हुआ करता था। मोहम्मद शाह रंगीला के शासनकाल में दिवाली को रंगीला की दिवाली कहा जाता था। जहांगीर के शासनकाल में दिवाली के अलग ही रंग थे। किताब 'तुजुक-ए-जहांगीर' के मुताबिक साल 1613 से लेकर 1626 तक जहांगीर ने हर साल अजमेर में दिवाली मनाई।

वे अजमेर के एक तालाब के चारों किनारों पर दीपक की जगह हजारों मशालें प्रज्वलित करवाते थे। इस मौके पर शहंशाह जहांगीर, अपने हिन्दू सिपहसालारों को कीमती नजराने भेंट करते थे। इसके बाद फकीरों को नए कपड़े, मिठाइयां बांटी जातीं। दीपावली पर 71 तोपें दागी जातीं और बारूद से बने बड़े-बड़े पटाखे चलाये जाते।

एक नजर

वृन्दावन में श्री बांके बिहारी मंदिर में 54 साल बाद उस खजाने के कमरे का ताला खोला गया

मथुरा। वृन्दावन श्री बांके बिहारी मंदिर में आज 54 साल बाद उस कमरे का ताला खोला गया, जिसमें खजाना रखा गया था। बताया जा रहा है कि यह खजाना करीब 160 साल पुराना है। इस कमरे में सोने-चांदी के जेवरात, चांदी के सिक्के, सोने के कलश और अन्य बहुमूल्य वस्तुएं रखी हुई हैं। लकड़ी के बक्से के अंदर छोटे-बड़े ज्वेलरी के कई खाली डिब्बे, 4-5 ताले भी निकले हैं। बक्से में 2 फरवरी, 1970 का लिखा हुआ एक पत्र भी मिला। इसके अलावा एक चांदी का छोटा-सा छत्र भी मिला है।

गर्भगृह के पास बने जिस कमरे में खजाना रखा था, उसके अंदर सांप-बिच्छू होने की आशंका जताई गई थी। इसलिए वन विभाग की टीम स्नैक कैचर लेकर पहुंची थी। मौके से 2 सांप के बच्चे भी मिले हैं। खजाने तक पहुंचने के लिए गेट में एंट्री करने से पहले दिनेश गोस्वामी ने दीपक जलाया। फिर अफसरों की मौजूदगी में दरवाजे को ग्राइंडर से काटा गया। इसके बाद खजाने की पहचान के लिए तय कमेटी के सारे मेंबर एक-एक करके अंदर गए। जिसमें सिविल जज, सिटी मजिस्ट्रेट, एसपी सिटी, सीओ वृंदावन, सीओ सदर और चारों गोस्वामी शामिल रहे।

विश्वभर में सोशल मीडिया पर युवाओं की सुरक्षा को लेकर उम्र आधारित प्रतिबंधों का रुझान बढ़ा

नई दिल्ली। विश्वभर में सोशल मीडिया पर युवाओं की सुरक्षा को लेकर उम्र आधारित प्रतिबंधों का रुझान बढ़ा है। ऑस्ट्रेलिया ने 16 वर्ष से कम आयु के बच्चों के सोशल मीडिया अकाउंट पर रोक लगाई, जबकि डेनमार्क, न्यूजीलैंड और कई अन्य देश इसी तरह की नीतियों पर विचार कर रहे हैं। विशेषज्ञों का कहना है कि ये नीतियां मानसिक स्वास्थ्य और अश्लील सामग्री से सुरक्षा के नाम पर लागू की जा रही हैं, लेकिन यह इंटरनेट पर नैतिक नियंत्रण और रूढ़िवादी मूल्यों की वापसी का संकेत भी हो सकता है।

विशेषज्ञ एलेक्स बिट्टी के अनुसार, युवा डिजिटल जीवन केवल उपभोग नहीं बल्कि अभिव्यक्ति और साक्षरता का माध्यम भी है। टिकटॉक, यूट्यूब और मीम्स जैसी गतिविधियाँ युवा सृजनात्मकता और सामाजिक जुड़ाव को बढ़ाती हैं। उनके अनुसार, डिजिटल प्लेटफॉर्म को नियंत्रित करना चाहिए, न कि युवाओं की स्वतंत्रता और रचनात्मकता को दबाना। इस तरह, सोशल मीडिया पर उम्र प्रतिबंधों का बढ़ता रुझान एक नैतिक युद्धक्षेत्र की तरह है, जिसमें सुरक्षा, स्वतंत्रता और अभिव्यक्ति के बीच संतुलन बनाए रखना चुनौतीपूर्ण बन गया है।

शरद यादव के बेटे ने तेजस्वी यादव के खिलाफ वादाखिलाफी करने का आरोप लगाया

नई दिल्ली । पूर्व केंद्रीय मंत्री शरद यादव के बेटे शांतनु यादव ने राजद नेता तेजस्वी यादव पर वादाखिलाफी का आरोप लगाते हुए उनके खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। इतना ही नहीं शरद यादव की बेटी ने भी तेजस्वी पर बेहद तीखा हमला किया है। मधेपुरा सीट से उम्मीदवार न बनाए जाने पर शांतनु ने एक वीडियो जारी करके कहा, 'उनके पिता ने जननायक जनता दल का राजद में विलय इसलिए किया था क्योंकि वह समाजवादी विचारधारा के नेता थे। पार्टी के विलय के समय राजद के बड़े नेताओं ने उन्हें वादा भी किया था कि चुनाव में शांतनु को टिकट मिलेगा, लेकिन अब वादे के बावजूद टिकट किसी और को दे दिया गया। ऐसे में हम राजनीति में झाल बजाने नहीं आए हैं, पिता की विरासत को आगे बढ़ाएंगे।' वहीं, शांतनु के सुर में सुर मिलाते हुए शांतनु की बहन और कांग्रेस नेता सुभाषिनी ने तेजस्वी पर जोरदार हमला बोलते हुए एक्स पर लिखा, ÷जो अपने खून के नहीं हो सके, वे दूसरों के क्या होंगे? जो अपने ही परिवार के प्रति वफादार नहीं रह सके, उन पर किसी और को कैसे भरोसा हो सकता है? यह विश्वासघात की पराकाष्ठा है और उनकी असहजता का एक स्पष्ट प्रमाण भी। जो षड्यंत्र उन्होंने रचा है, अब वही षड्यंत्र उनके खिलाफ जनता रचेगी।

19 से 24 अक्टूबर के दौरान देश के कई राज्यों में बारिश की संभावना

नई दिल्ली । मौसम विभाग के अनुसार 19 से 24 अक्टूबर के दौरान देश के कई राज्यों में भारी बारिश की संभावना है। दक्षिण पूर्व अरब सागर और केरल कर्नाटक तटों से दूर लक्षद्वीप के ऊपर एक निम्न दबाव का क्षेत्र बना हुआ है। जो 36 घंटों के दौरान डिप्रेशन में बदलने की संभावना है। 21 अक्टूबर क आसपास दक्षिण पूर्व बंगाल की खाड़ी के ऊपर निम्न दबाव का क्षेत्र बनने की उम्मीद भी की जा रही है। आईएमडी के अनुसार 2 दिनों के दौरान केरल, लक्षद्वीप, तमिलनाडु और पुडेचेरी में अलग-अलग स्थानों पर भारी से बहुत भारी बारिश की संभावना है। भारतीय मौसम विभाग के अनुसार 19 से 24 अक्टूबर के दौरान तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल, केरल और माहे में गरज के साथ भारी बारिश होने की संभावना है। जबकि अगले 5 दिनों के दौरान 30 से 40 किलो मीटर प्रति घंटे की रफ्तार से हवाएं चलने की संभावना है। साथ ही तूफान की भी संभावना है।

बिहार में मतदान वाले दिन रहेगा अवकाश

नई दिल्ली। चुनाव आयोग ने एक आदेश में कहा है कि बिहार में मतदाता, मतदान के दिनों में सवेतन अवकाश के हकदार हैं और इस कानूनी प्रावधान का उल्लंघन करने वाले नियोक्ताओं पर जुर्माना लगाया जा सकता है। आदेश में कहा गया है कि विभिन्न राज्यों के आठ विधानसभा क्षेत्रों के मतदाता, जहां 11 नवंबर को उपचुनाव हो रहे हैं, भी सवेतन अवकाश के हकदार हैं। चुनाव आयोग ने कानूनी प्रावधानों का हवाला देते हुए कहा, जन प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 की धारा 135बी के अनुसार, किसी भी व्यवसाय, व्यापार, औद्योगिक उपक्रम या किसी अन्य प्रतिष्ठान में कार्यरत प्रत्येक व्यक्ति, और लोकसभा या किसी राज्य/संघ राज्य क्षेत्र की विधानसभा के चुनाव में मतदान करने का हकदार है, उसे मतदान के दिन सवेतन अवकाश दिया जाएगा। चुनाव आयोग ने रेखांकित किया कि इस तरह के सवेतन अवकाश के कारण वेतन में कोई कटौती नहीं की जाएगी। आदेश में चेतावनी दी गई है कि, कोई भी नियोक्ता जो इन प्रावधानों का उल्लंघन करेगा, उस पर जुर्माना लगाया जाएगा। आयोग ने कहा कि ऐसे मतदाता, जिनमें आकस्मिक और दैनिक वेतनभोगी श्रमिक भी शामिल हैं, जो अपने निर्वाचन क्षेत्र के बाहर स्थित औद्योगिक या वाणिज्यिक प्रतिष्ठानों में काम करते हैं या नियोजित हैं, लेकिन मतदान वाले निर्वाचन क्षेत्र में मतदाता के रूप में पंजीकृत हैं, वे भी चुनाव के दिन सवेतन अवकाश के लाभ के हकदार होंगे, ताकि वे अपना वोट डाल सकें।

सूचना एवं लोक संपर्क विभाग का स्टाल बना आकर्षण का केंद्र, युवाओं में दिखा जबरदस्त उत्साह

पथ प्रवाह, देहरादून

देहरादून में आयोजित हो रहे प्रसिद्ध विरासत मेले में इस बार सूचना एवं लोक संपर्क विभाग का स्टाल लोगों के आकर्षण का केंद्र बना हुआ है। मेले में आने वाले नागरिकों, विद्यार्थियों और युवाओं की भीड़ इस स्टाल पर उमड़ रही है। आगंतुक यहाँ केंद्र और राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी बड़े उत्साह से प्राप्त कर रहे हैं।

विभाग द्वारा लगाए गए इस स्टाल में डिजिटल डिस्प्ले, पोस्टर, वीडियो और इंटरएक्टिव स्क्रीन के माध्यम से सरकारी योजनाओं की जानकारी बेहद रोचक और सरल तरीके से प्रस्तुत की जा रही है। प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री की प्राथमिकता वाली योजनाओं–जैसे प्रधानमंत्री आवास योजना, उज्ज्वला योजना, मुख्यमंत्री स्वरोजगार योजना आदि की जानकारी भी लोगों को दी जा रही है। विभागीय कर्मियों द्वारा योजनाओं के लाभ और आवेदन प्रक्रिया से संबंधित विस्तृत जानकारी मौके पर उपलब्ध कराई जा रही है। मेले में आए युवा वर्ग में इस स्टाल को लेकर खासा उत्साह देखने को मिल रहा है। कई युवा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी की तस्वीरों और वीडियो डिस्प्ले के साथ सेल्फी लेते नजर आए। युवाओं ने कहा कि इस तरह के प्रदर्शन न केवल जानकारीपूर्ण होते हैं बल्कि प्रेरणादायक भी हैं, क्योंकि ये सरकार की उपलब्धियों और विकास प्रयासों को नजदीक से जानने का अवसर देते हैं। आगंतुकों ने सूचना एवं लोक संपर्क विभाग की इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि मेले में लगाए गए इस तरह के जन-जागरूकता स्टॉल जनता तक योजनाओं की जानकारी पहुँचाने का प्रभावी माध्यम बनते हैं। विरासत मेले में विभाग का यह स्टाल एक ओर जहाँ सूचना प्रसार का सशक्त मंच साबित हो रहा है, वहीं दूसरी ओर युवाओं के लिए आकर्षण और प्रेरणा का केंद्र भी बन गया है।

शुभम हत्याकांड का 72 घंटे में खुलासा, दोस्त ने ही कर दी हत्या

पथ प्रवाह, देहरादून

रानीपोखरी के शांत इलाके में हुई युवक की हत्या के रहस्य से आखिरकार पर्दा उठ गया है। दून पुलिस ने 72 घंटे के भीतर ब्लाइंड मर्डर मिस्ट्री सुलझाते हुए घटना में शामिल एक युवक को गिरफ्तार कर लिया है। चौंकाने वाली बात यह रही कि हत्या किसी बाहरी ने नहीं, बल्कि मृतक का ही साथी निकला – जो उसके साथ रोज काम करता था।

रंजिश बनी मौत की वजह

थाना रानीपोखरी क्षेत्र के शांतिनगर इलाके में 15 अक्टूबर को शुभम पाल उर्फ चुन्नी का शव पुराने सीवर टैंक में मिला था। मृतक के पिता रमेश चन्द्र ने बेटे के लापता होने की रिपोर्ट दर्ज कराई थी और हत्या का संदेह जताया था। मामला दर्ज होते ही पुलिस टीमों ने सीसीटीवी खंगाले, स्थानीय लोगों से पूछताछ की और तकनीकी साक्ष्यों पर फोकस किया।

जांच के दौरान पुलिस को सुराग मिला कि मृतक के साथ काम करने वाला ऋषभ धीमान उर्फ बाबू (उम्र 19 वर्ष) अचानक घटना के बाद से गायब है। पुलिस ने शक के आधार पर उसे हिरासत में लेकर पूछताछ की, तो उसने पूरे वारदात की परतें उधेड़ दीं।

बार-बार मेरा मज़ाक उड़ाता था

पूछताछ में आरोपी ऋषभ धीमान ने बताया कि वह और शुभम एक ही जगह काम करते थे। शुभम अक्सर उसके साथ बदसलूकी करता और सबके सामने अपमानित करता था। उसी रंजिश से तंग आकर उसने शुभम को रास्ते से हटाने की साजिश रची।

14 अक्टूबर की शाम ऋषभ ने शुभम को शराब पीने के बहाने अपने साथ शांतिनगर के पुराने सीवर टैंक के पास बुलाया। उसने माहौल सामान्य दिखाने के लिए अपने दो दोस्तों अशोक और प्रवीण को भी बुलाया। जब दोनों चले गए और शुभम नशे में धुत हो गया, तो आरोपी ने उसे अचानक टैंक में धक्का दे दिया। शुभम जब सरिये में फंस गया, तो ऋषभ ने उसकी टांगें पकड़कर नीचे धकेल दिया – और मौके से भाग निकला।

कपड़े और जूते बने गुनाह के गवाह

घटना के बाद आरोपी घर जाकर कपड़े बदल लिए, लेकिन पुलिस की पैनी नज़र से बच नहीं सका। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से हत्या के समय पहने कपड़े और जूते बरामद किए हैं, जिनमें अपराध के स्पष्ट निशान मिले हैं।

गिरफ्तार आरोपी का ब्यौरा

नाम- ऋषभ धीमान उर्फ बाबू, पिता- जितेन्द्र, निवासी- गली नं0 01, शांतिनगर, रानीपोखरी, देहरादून, आयु- 19 वर्ष

थानाध्यक्ष विकेन्द्र चौधरी की टीम

घटना के खुलासे में थाना रानीपोखरी पुलिस टीम की सक्रियता और तकनीकी जांच निर्णायक रही। टीम में शामिल थे: 1. थानाध्यक्ष विकेन्द्र चौधरी, 2. हे0का0 धीरेंद्र कुमार यादव, 3. का0 रवि कुमार, 4. का0 तेज सिंह, 5. का0 दुष्यन्त, 6. का0 शशिकांत, 7. का0 कर्मजीत, 8. चालक चैनपाल

72 घंटे में पुलिस की बड़ी सफलता

दून पुलिस की त्वरित कार्रवाई और पेशेवर जांच से एक ब्लाइंड मर्डर केस सुलझ गया, जिसने इलाके में सनसनी फैला दी थी। महज़ रंजिश और अहंकार में एक युवक ने अपने दोस्त की जान ले ली – और दून पुलिस ने सटीक सुरागरसी से हत्यारे को बेनकाब कर दिया।

भगवान बुद्ध के पवित्र अवशेष भारत और रूस के लोगों के बीच मजबूत संबंधों का प्रतीक: सिन्हा

नयी दिल्ली। जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने कहा है कि रूस के गणराज्य कलमीकिया में भगवान बुद्ध के पवित्र अवशेषों की प्रदर्शनी से भारत और रूस के लोगों के आपसी संबंध मज़बूत होंगे। संस्कृति मंत्रालय ने शनिवार को एक वक्तव्य जारी कर कहा कि पवित्र अवशेषों को वापस लाने के लिए शुक्रवार को रूस पहुंचे श्री सिन्हा ने शाक्यमुनि बुद्ध के स्वर्ण निवास के नाम से प्रसिद्ध प्रतिष्ठित गेदेन शेडुप चोइकोरलिंग मठ में स्थापित अवशेषों को श्रद्धांजलि अर्पित करने के बाद मीडिया से बातचीत में कहा कि कलमीकिया में भगवान बुद्ध के पवित्र अवशेषों की प्रदर्शनी एक ऐतिहासिक घटना है। यह गणराज्य भारत और रूस के बीच आध्यात्मिक मित्रता के शक्तिशाली सेतु के

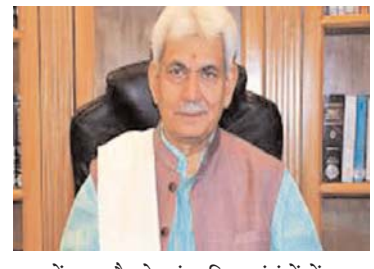

रूप में खड़ा है जो सांस्कृतिक संबंधों में भारत के प्रयासों और बुद्ध की शिक्षाओं की एकता की शक्ति को प्रदर्शित करता है।

श्री सिन्हा ने पवित्र अवशेषों को खटक भेंट किया और मंदिर में दीप प्रज्वलित किया। उन्होंने बकुला रिनपोछे के समक्ष प्रार्थना भी की और खटक भेंट किया। श्री सिन्हा ने शाजिन लामा को भी एक कश्मीरी शॉल भेंट की और आशीर्वाद प्राप्त किया। कलमीकिया गणराज्य की राजधानी एलिस्टा में प्रदर्शनी में शामिल होने के बाद श्री सिन्हा पवित्र अवशेषों को भारत लेकर आ रहे हैं। भारतीय प्रतिनिधिमंडल प्रतिनिधिमंडल रविवार को भारत पहुंचेगा।

रूसी गणराज्य में अपनी तरह की यह पहली ऐतिहासिक प्रदर्शनी भारत और रूस के बीच गहरे सभ्यतागत संबंधों का प्रमाण है। यह लद्दाख के श्रद्धेय बौद्ध भिक्षु और राजनयिक 19वें कुशोक बकुला रिनपोछे की चिरस्थायी विरासत को पुनर्जीवित करती है जिन्होंने मंगोलिया में बौद्ध धर्म के पुनरुद्धार और कलमीकिया, बुरातिया और तुवा जैसे रूसी क्षेत्रों में बुद्ध धर्म के प्रति रुचि जगाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी।

जिलाधिकारी अंशुल सिंह ने मेडिकल कॉलेज का निरीक्षण कर दिए आवश्यक निर्देश

पथ प्रवाह, अल्मोड़ा

जिलाधिकारी अंशुल सिंह ने शनिवार को पांडेखोला स्थित सोबन सिंह जीना राजकीय मेडिकल कॉलेज का औचक निरीक्षण किया। उन्होंने कॉलेज परिसर और उसके अधीन संचालित बेस अस्पताल की तमाम व्यवस्थाओं का बारीकी से जायज़ा लिया। इस दौरान उन्होंने कॉलेज प्रशासन से लेकर चिकित्सकों तक से विस्तार से जानकारी प्राप्त की और स्वास्थ्य सेवाओं को और सुदृढ़ करने के दिशा-निर्देश दिए।

जिलाधिकारी अंशुल सिंह कॉलेज ने शैक्षणिक कार्यों, फैकल्टी की उपलब्धता, छात्रों की उपस्थिति, अस्पताल में ओपीडी संचालन और मरीजों को मिलने वाली सुविधाओं की स्थिति का अवलोकन किया। उन्होंने कहा कि मेडिकल कॉलेज और अस्पताल की भूमिका जनहित से सीधी जुड़ी हुई है, इसलिए समयबद्ध, पारदर्शी और संवेदनशील कार्यप्रणाली अपनाना अत्यंत आवश्यक है।

जिलाधिकारी अंशुल सिंह ने विशेष रूप से ओपीडी सेवाओं की नियमितता और गुणवत्ता पर जोर देते हुए कहा कि अस्पताल में आने वाले मरीजों को किसी भी प्रकार की असुविधा न हो। उन्होंने निर्देश दिए कि ओपीडी के संचालन का समय सख्ती से पालन किया जाए और यदि मरीजों की संख्या अधिक हो, तो आवश्यकतानुसार ओपीडी समय बढ़ाने की व्यवस्था की जाए। उन्होंने कहा कि लोगों को बेहतर चिकित्सा सुविधाएं प्रदान करना प्रशासन और चिकित्सा संस्थान दोनों की साझा जिम्मेदारी है। जिलाधिकारी अंशुल सिंह ने कहा कि उपलब्ध संसाधनों और उपकरणों का अधिकतम उपयोग किया जाए, ताकि मरीजों को समुचित जांच, उपचार और परामर्श मिल सके। निरीक्षण के दौरान प्रिंसिपल डॉ. सी.पी. भैंसोड़ा ने जिलाधिकारी अंशुल सिंह को कॉलेज की शैक्षणिक गतिविधियों, स्टाफ की स्थिति, और अस्पताल में चल रही प्रमुख चिकित्सा सेवाओं की जानकारी दी। इस मौके पर उपजिलाधिकारी सदर संजय कुमार, कॉलेज के चिकित्सकगण, पैरामेडिकल स्टाफ तथा अन्य अधिकारी मौजूद रहे। जिलाधिकारी ने सभी संबंधित अधिकारियों को यह भी निर्देश दिया कि कॉलेज परिसर और अस्पताल की स्वच्छता, व्यवस्था और अनुशासन पर विशेष ध्यान दिया जाए, ताकि यह संस्थान प्रदेश के प्रमुख चिकित्सा शिक्षा केंद्रों में अपनी पहचान और मजबूत कर सके।

एक नजर

धन्वंतरी जयंती पर आयुर्वेदिक चिकित्सालय पंचकर्म योग नगर में हवन, औषधीय वाटिका व सेवा कार्यों के साथ मनाया गया पर्व

पथ प्रवाह, ठाकुर सुरेंद्र पाल सिंह,उत्तरकाशी। धन्वंतरी जयंती के पावन अवसर पर शनिवार को राजकीय आयुर्वेदिक चिकित्सालय पंचकर्म योग नगर, उत्तरकाशी में विशेष समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में आयुर्वेदाचार्यों, चिकित्सा कर्मियों और योग प्रशिक्षुओं ने मिलकर भगवान धन्वंतरी की पूजा-अर्चना, हवन, औषधीय वाटिका निर्माण और स्वच्छता अभियान के माध्यम से आयुर्वेद के प्रति आस्था और समर्पण का परिचय दिया। कार्यक्रम की शुरुआत भगवान धन्वंतरी की वंदना एवं हवन के साथ हुई। इसके उपरांत चिकित्सालय परिसर में औषधीय पौधों की वाटिका तैयार की गई ताकि आमजन को औषधीय पौधों के उपयोग और महत्व की जानकारी दी जा सके। चिकित्सालय भवन को दीप सज्जा से आलोकित किया गया तथा परिसर की साफ-सफाई कर स्वच्छता का संदेश दिया गया। धन्वंतरी जयंती के अवसर पर रोगियों को फल वितरित किए गए। इस दौरान जिला आयुर्वेदिक एवं यूनानी अधिकारी डॉ. रतन मणि भट्ट ने कहा कि भगवान धन्वंतरी आयुर्वेद और चिकित्सा विज्ञान के जनक हैं, और इस दिन का उद्देश्य जन-जन तक आयुर्वेद के सिद्धांतों को पहुंचाना है। उन्होंने कहा कि आयुर्वेद केवल चिकित्सा प्रणाली नहीं, बल्कि एक संपूर्ण जीवन दर्शन है जो स्वस्थ जीवनशैली की दिशा में मार्गदर्शन देता है। कार्यक्रम में डॉ. जसवंत धनाई, डॉ. वत्सला बहुगुणा पाण्डेय, वैद्य कुलदीप नौटियाल, सुनील जगूड़ी, प्रीति राणा, प्रतिभा उनियाल, प्रियंका वैखाण, विनोद डोभाल, मनीष, मनजीत बधानी, अनीता नौटियाल, मुकेश रावत, जगमोहन गुसाईं, राजेश टांक, सरोजनी बुटोला, अंकित सहित योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा प्रशिक्षु उपस्थित रहे। अंत में जिला आयुर्वेदिक एवं यूनानी अधिकारी डॉ. रतन मणि भट्ट ने सभी प्रतिभागियों का आभार व्यक्त किया।

स्व. शेर सिंह राणा छात्र स्मृति सम्मान समारोह में ग्रामीण मेधावी छात्राओं को मिला प्रोत्साहन

कर्तव्य फाउंडेशन ने चमियारी में किया आयोजन, छात्रवृत्ति देकर किया बेटियों का सम्मान

पथ प्रवाह, सुरेंद्र पाल सिंह,उत्तरकाशी। राजकीय इंटर कॉलेज चमियारी, चिन्यालीसौड़ में शनिवार को कर्तव्य फाउंडेशन फॉर एजुकेशन एंड सोशल वेलफेयर द्वारा आयोजित स्व. शेर सिंह राणा छात्र स्मृति सम्मान समारोह गरिमामय वातावरण में सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम का उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्र की मेधावी छात्राओं को शिक्षा के क्षेत्र में प्रोत्साहित करना और स्वर्गीय शेर सिंह राणा के शिक्षा एवं समाजसेवा के आदर्शों को नई पीढ़ी तक पहुँचाना था। समारोह में विद्यालय की नौ मेधावी छात्राओं अंतर्रा नौटियाल (कक्षा 9), तमन्ना नौटियाल (कक्षा 10), संमपदा (कक्षा 11-ए), गौरी बर्तवाल (कक्षा 11-बी), साक्षी चौहान (कक्षा 12-ए) और दीक्षा बर्तवाल (कक्षा 12-बी) को छात्र स्मृति सम्मान से नवाज़ा गया। इन छात्राओं को कर्तव्य फाउंडेशन की ओर से मासिक छात्रवृत्ति प्रदान की जाएगी, ताकि वे अपनी आगे की पढ़ाई बिना किसी आर्थिक बाधा के जारी रख सकें। विद्यालय के प्रधानाचार्य ने इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए ऐसे प्रयास अत्यंत प्रेरणादायक हैं। उन्होंने कहा कि यह छात्रवृत्ति न केवल छात्राओं के आत्मविश्वास को बढ़ाएगी बल्कि उन्हें समाजसेवा और नैतिक मूल्यों की दिशा में भी प्रेरित करेगी।

हरिद्वार में महिला का अधजला शव मिलने से सनसनी, पुलिस शिनाख्त में जुटी

पथ प्रवाह, हरिद्वार।

जनपद हरिद्वार के थाना श्यामपुर क्षेत्र के गाजीवाली में शनिवार सुबह एक महिला का अधजला शव मिलने से सनसनी फैल गयी। सूचना पर मौके पर पहुंची श्यामपुर पुलिस ने शव की शिनाख्त के प्रयास किए, किन्तु शव अत्यधिक जला होने के कारण उसकी शिनाख्त नहीं हो पायी। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर मोर्चरी में रखवा दिया है। पुलिस ने सभी से महिला की पहचान में सहयोग की अपील की है। जानकारी के मुताबिक शनिवार की सुबह थाना श्यामपुर क्षेत्र के ग्राम गाजीवाली एक महिला का जला हुआ शव मिलने की सूचना मिली। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल का मौका मुआयना किया। अज्ञात मृतका का शव अत्यधिक जला होने के कारण उसकी पहचान नहीं हो सकी। मृतका की उम्र 20 से 30 वर्ष के बीच बतायी गयी है। महिला का ऊपरी हिस्सा बुरी तरह जल चुका था, किन्तु महिला के हाथ पैर नहीं जले थे। महिला के हाथ में एक अंगूठी व पैर में काला धागा बंधा मिला। पुलिस ने शव की पहचान के लिए लोगों से सहयोग की अपील की है। पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई है। महिला के शव की शिनाख्त के लिए पुलिस ने सोशल मीडिया पर भी तस्वीरों को शेयर किया है।

ग्रामीण स्वास्थ्य के प्रति संवेदनशील पहल कर्तव्य फाउंडेशन ने बीपीसीएल के सहयोग से बोंगा व बोंगाडी में लगाया एक दिवसीय चिकित्सा शिविर

120 से अधिक महिलाओं और बच्चों की हुई स्वास्थ्य जांच, आज वितरित होंगी पारंपरिक पोषण किटें

पथ प्रवाह, ठाकुर सुरेंद्र पाल सिंह

उत्तरकाशी। ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य जागरूकता और प्राथमिक चिकित्सा सेवाओं को सुलभ बनाने की दिशा में कर्तव्य फाउंडेशन फॉर एजुकेशन एंड सोशल वेलफेयर ने भारत पेट्रोलियम कॉरपोरेशन लिमिटेड (BPCL) के सीएसआर मद से एक सराहनीय पहल की है। फाउंडेशन द्वारा शनिवार को ग्राम सभा बोंगा एवं बोंगाडी में महिलाओं और बच्चों के लिए एक दिवसीय निःशुल्क मेडिकल कैंप आयोजित किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में ग्रामीण लाभान्वित हुए।

शिविर में सीबीसी जांच, शुगर जांच, बीपी जांच जैसी बुनियादी लेकिन आवश्यक स्वास्थ्य सेवाएँ निःशुल्क उपलब्ध कराई गईं। प्रशिक्षित स्वास्थ्य कर्मियों की टीम ने प्रत्येक प्रतिभागी की जांच कर उन्हें आवश्यक चिकित्सीय परामर्श भी दिया। कार्यक्रम में कुल 120 से अधिक महिलाओं और बच्चों ने भाग लेकर स्वास्थ्य परीक्षण करवाया।

कर्तव्य फाउंडेशन की ओर से बताया गया कि इस पहल का मुख्य उद्देश्य ग्रामीण समुदायों में स्वास्थ्य संबंधी जागरूकता बढ़ाना और मातृ एवं बाल स्वास्थ्य को प्राथमिकता देना है। फाउंडेशन के अध्यक्ष शुभम पंवार ने कहा कि अक्सर दुर्गम इलाकों में स्वास्थ्य सेवाएँ समय पर उपलब्ध न होने से महिलाओं और बच्चों का स्वास्थ्य प्रभावित होता है, ऐसे में यह शिविर ग्रामीणों के लिए एक राहतभरी पहल है।

उन्होंने आगे बताया कि रविवार को शिविर के लाभार्थियों को पारंपरिक खाद्य अनुपूरक (Traditional Food Supplement) की किटें प्रदान की जाएंगी। इस पहल के तहत फाउंडेशन का उद्देश्य ग्रामीण महिलाओं और बच्चों के पोषण स्तर में सुधार लाना और उन्हें स्वदेशी व पारंपरिक आहार की ओर प्रोत्साहित करना है। इस दौरान फाउंडेशन की टीम में कमलेश्वरी भंडारी, मनीषा, सुमन, सौरभ और प्रियंका सक्रिय रूप से उपस्थित रहे और आयोजन को सफल बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

ग्रामवासियों ने कर्तव्य फाउंडेशन और बीपीसीएल का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि ऐसी पहलें ग्रामीण जीवन में स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता और विश्वास दोनों को मजबूत करती हैं।

एक नजर

जिलाधिकारी अंशुल सिंह का जनता की सुरक्षा के लिए मास्टर प्लान, नियुक्त नोडल अधिकारी

अल्मोड़ा जिला प्रशासन की विशेष तैयारियां- नोडल अधिकारी तैनात, हर आपात स्थिति में त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित

पथ प्रवाह, अल्मोड़ा। दीपावली पर्व के दौरान जनपद में किसी भी अप्रिय घटना को रोकने और त्वरित कार्यवाही सुनिश्चित करने के लिए जिलाधिकारी अंशुल सिंह ने विशेष निर्देश जारी किए हैं। इसके तहत जिले के सभी संवेदनशील और आपात मामलों के लिए नोडल अधिकारी नियुक्त किए गए हैं। जिलाधिकारी अंशुल सिंह ने बताया कि उपजिलाधिकारी सदर संजय कुमार (मो. 7060761398), सीओ गोपाल दत्त जोशी (मो. 9456593379), मुख्य चिकित्साधिकारी नवीन तिवारी (मो. 9410167445), मुख्य अग्निशमन अधिकारी नरेन्द्र सिंह कुंवर (मो. 9411332222), जिला आपदा प्रबन्धन अधिकारी विनीत पाल (मो. 7983511096), एआरटीओ अखिलेश चौहान (मो. 7017298847), अतिरिक्त जिला सूचना अधिकारी सुन्दर कुमार (मो. 8006896895) और 108 कार्डिनेटर मनोज सामंत (मो. 9634800884) को नोडल अधिकारी के रूप में तैनात किया गया है। उन्होंने नागरिकों को यह भी सूचित किया कि किसी भी आपात घटना की स्थिति में जिला आपदा कंट्रोल रूम (05962-237875 / 05962-237874), टोल फ्री नंबर 1077 (मो. 7900433294), पुलिस कंट्रोल रूम (05962-232820 / 05962-230274), टोल फ्री नंबर 112, वन कंट्रोल रूम (मो. 9456596650) तथा एम्बुलेंस सेवा 108 पर भी संपर्क किया जा सकता है। जिलाधिकारी अंशुल सिंह ने जनता को दीपावली पर्व की शुभकामनाएं देते हुए अपील की है कि वे दीपावली पर्व के दौरान शांति और सुरक्षा बनाए रखें और किसी भी आपात स्थिति में तुरंत संबंधित नोडल अधिकारियों या कंट्रोल रूम से सम्पर्क करें।

थाना दिवस पर पुलिस ने सुनी लोगों की समस्याएं

पथ प्रवाह, पिथौरागढ़। पुलिस मुख्यालय के निर्देशों के क्रम में तथा पुलिस अधीक्षक पिथौरागढ़, रेखा यादव के आदेशानुसार जनपद पुलिस द्वारा समय-समय पर थाना दिवस का आयोजन कर स्थानीय नागरिकों से संवाद स्थापित किया जाता है, ताकि उनकी समस्याओं, सुझावों एवं शिकायतों का त्वरित समाधान सुनिश्चित किया जा सके। इसी क्रम में विगत दिवस थानाध्यक्ष थल प्रकाश चन्द्र पाण्डे के नेतृत्व में थाना दिवस का आयोजन किया गया। इस दौरान स्थानीय नागरिक उपस्थित रहे। लोगों ने अपनी समस्याओं व सुझावों से पुलिस को अवगत कराया। अधिकांश शिकायतों का मौके पर ही निस्तारण किया गया। शेष समस्याओं के शीघ्र समाधान का आश्वासन दिया गया। पुलिस टीम ने उपस्थित लोगों को साइबर क्राइम से बचाव के उपाय बताए। साथ ही, नशे के दुष्परिणामों की जानकारी देकर युवाओं को नशे से दूर रहने के लिए प्रेरित किया। जनपद पुलिस का उद्देश्य – पुलिस और जनमानस के बीच बेहतर संवाद स्थापित कर उनकी समस्याओं का समयबद्ध निस्तारण करना, ताकि पुलिसिंग और अधिक प्रभावी एवं जनहितकारी बन सके।

31 अक्टूबर से पूर्व जनपद की सभी सड़कों को गड्ढा मुक्त करना हर हाल में सुनिश्चित करें

जीवन सिंह बोहरा, पिथौरागढ़। जनपद पिथौरागढ़ की सड़कों को गड्ढा मुक्त बनाने के उद्देश्य से शनिवार को कलेक्ट्रेट सभागार में जिलाधिकारी आशीष भटगांई की अध्यक्षता में एक महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में लोक निर्माण विभाग (लोनिवि), प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना (PMGSY) एवं अन्य संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे। बैठक के दौरान जिलाधिकारी ने कड़ा रुख अपनाते हुए स्पष्ट निर्देश दिए कि 31 अक्टूबर 2025 तक पूरे जनपद की सभी प्रमुख सड़कों को पूरी तरह गड्ढा मुक्त कर दिया जाए। उन्होंने कहा कि सड़कें जनसुविधा की रीढ़ हैं और इस कार्य में किसी भी प्रकार की लापरवाही या शिथिलता कतई बर्दाश्त नहीं की जाएगी। जिलाधिकारी ने चेतावनी भरे लहजे में कहा कि कार्य की गुणवत्ता से कोई समझौता न हो, और सड़क मरम्मत कार्यों में मानक सामग्री और तकनीक का उपयोग सुनिश्चित किया जाए। राष्ट्रीय राजमार्ग के अधिकारियों को शहर के प्रवेश द्वार एचोली की मरम्मत 31 अक्टूबर तक पूर्ण करने के सख्त निर्देश दिए गए। बैठक में अनुपस्थित अधिकारियों पर नाराज़गी व्यक्त करते हुए जिलाधिकारी ने उनके वेतन रोके जाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जो अधिकारी जिम्मेदारी से काम नहीं करेंगे, उनके विरुद्ध अनुशासनात्मक कार्रवाई निश्चित रूप से की जाएगी। जिलाधिकारी ने पिथौरागढ़, अस्कोट, डीडीहाट, धारचूला और बेरीनाग क्षेत्रों की सड़क स्थिति की विभागवार समीक्षा की। उन्होंने ग्रिफ के अधिकारियों को निर्देशित किया कि 02 नवंबर को गूंजी में आयोजित होने वाली अल्ट्रा मैराथन से पूर्व गूंजी-नपलच्यो सड़क मार्ग की मरम्मत पूरी कर ली जाए। साथ ही, उन्होंने जिला अर्थ एवं संख्याधिकारी को निर्देश दिए कि अगली समीक्षा बैठक में सभी सड़कों के मरम्मत कार्यों के उच्च गुणवत्ता वाले फोटोग्राफ्स प्रस्तुत किए जाएं, ताकि प्रगति का वास्तविक मूल्यांकन किया जा सके। बैठक में प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना (PMGSY) के अंतर्गत निर्माणाधीन और क्षतिग्रस्त सड़कों की स्थिति की समीक्षा की गई तथा अब तक की गई कार्यवाही का विस्तृत ब्यौरा अधिकारियों से प्राप्त किया गया। बैठक में अपर जिलाधिकारी योगेन्द्र सिंह, जिला अर्थ एवं संख्याधिकारी निरंजन प्रसाद, ग्रिफ, लोनिवि एवं अन्य संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

राज्य बहाली के लिए भाजपा से कोई समझौता नहीं करने वाले : उमर अब्दुल्ला

जम्मू। जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने फिर राज्य का दर्जा बहाल करने की मांग की। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार ने कभी नहीं कहा कि राज्य का दर्जा सिर्फ भाजपा के सत्ता में आने पर ही मिलेगा। उन्होंने केंद्र से अपील की है कि वह अपना वादा पूरा करे और जल्द से जल्द राज्य का दर्जा बहाल करे। उमर ने साफ कहा कि वह राज्य बहाली के लिए भाजपा से कोई समझौता नहीं करने वाले है। उन्होंने कहा कि अनुच्छेद 370 हटाते वक्त संसद में तीन कदम बताए थे पहले सीमांकन, फिर चुनाव और आखिर में राज्य का दर्जा। सीमांकन और चुनाव हो चुके हैं, लेकिन राज्य का दर्जा अब तक नहीं मिला। सीएम अब्दुल्ला ने सरकार का एक साल पूरा होने पर प्रेसवार्ता की। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार को अपना कमिटमेंट पूरा करना चाहिए। सीएम ने राज्यसभा चुनावों पर चर्चा कर कहा कि यह चुनाव दिखाएगा कि कौन भाजपा का साथ दे रहा है। उन्होंने सज्जाद लोन से सवाल किया कि उन्होंने भाजपा की मदद क्यों की।

जिलाधिकारी अंशुल सिंह शुद्ध पेयजल की व्यवस्था की सुनिश्चित, टैंकों की सफाई न होने पर जताई नाराज़गी

पथ प्रवाह, अल्मोड़ा

बरसात के मौसम के बाद भी पेयजल टैंकों की सफाई न किए जाने संबंधी शिकायतों पर जिलाधिकारी अंशुल सिंह ने गंभीर रुख अपनाया है। मीडिया और आम जनता के माध्यम से मिली इन शिकायतों का संज्ञान लेते हुए उन्होंने संबंधित विभागीय अधिकारियों को तत्काल कार्रवाई के निर्देश दिए हैं। जिलाधिकारी अंशुल सिंह ने कहा कि बरसात के पश्चात् टैंकों की नियमित सफाई न होने से पेयजल स्रोतों में गंदगी और संक्रमण की संभावना बढ़ जाती है, जिससे आमजन को जल जनित रोगों का खतरा रहता है। उन्होंने स्पष्ट कहा कि यह स्थिति जनहित में अत्यंत अनुचित है और जिम्मेदार अधिकारियों की लापरवाही किसी भी हाल में बर्दाश्त नहीं की

जाएगी। उन्होंने पेयजल विभाग के अधिकारियों को निर्देशित किया कि जिन टैंकों की सफाई अब तक नहीं हुई है, उनकी नियमित एवं मानकानुसार सफाई तत्काल कराई जाए। साथ ही, सभी टैंकों पर सफाई की नवीनतम तिथि स्पष्ट रूप से अंकित की जाए ताकि पारदर्शिता बनी रहे। इसके साथ ही जिलाधिकारी अंशुल सिंह ने सभी संबंधित अधिकारियों से कहा कि टैंकों की सफाई पूर्ण होने के उपरांत अनुपालन आख्या कार्यालय में प्रस्तुत करना सुनिश्चित करें। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि किसी क्षेत्र में गंदे या दूषित पानी की आपूर्ति की शिकायत पुनः प्राप्त होती है तो संबंधित अधिकारी के विरुद्ध कड़ी प्रशासनिक कार्रवाई अमल में लाई जाएगी। जिलाधिकारी अंशुल सिंह के इस निर्देश के बाद जनपद के विभिन्न पेयजल उपखंडों में विभागीय टीमें सक्रिय हो गई हैं और टैंकों की सफाई व निरीक्षण की प्रक्रिया तेज़ कर दी गई है। स्थानीय नागरिकों ने भी जिलाधिकारी की इस तत्परता की सराहना करते हुए कहा कि इससे स्वच्छ पेयजल आपूर्ति सुनिश्चित होगी और बीमारियों की रोकथाम में मदद मिलेगी।

त्यौहारों के मद्देनज़र कोतवाली झूलाघाट में शान्ति एवं समन्वय गोष्ठी

पथ प्रवाह, पिथौरागढ़। दीपावली व भैया दूज जैसे त्यौहारों को शान्तिपूर्ण व सकुशल रूप से सम्पन्न कराने के उद्देश्य से पुलिस अधीक्षक पिथौरागढ़ रेखा यादव के निर्देशन में प्रभारी निरीक्षक कोतवाली झूलाघाट संजीव कुमार द्वारा गौरीहाट क्षेत्र में शान्ति एवं अमन गोष्ठी का आयोजन किया गया।

गोष्ठी में सीएलजी सदस्य, पीस कमेटी, व्यापार मण्डल, टैक्सी यूनियन एवं पटाखा कारोबारी उपस्थित रहे। बैठक के दौरान प्रतिभागियों ने क्षेत्र की विभिन्न समस्याओं व सुझावों से पुलिस को अवगत कराया, जिनके समाधान हेतु उचित कार्यवाही का आश्वासन दिया गया।

प्रभारी निरीक्षक झूलाघाट द्वारा सभी व्यापारियों को निर्देशित किया गया कि वे अपनी दुकानों में सीसीटीवी कैमरे 24 घंटे

चालू स्थिति में रखें ताकि किसी भी प्रकार की चोरी या छेना-झपटी की घटनाओं को रोका जा सके। साथ ही, लोगों से यातायात नियमों का पालन करते हुए निर्धारित स्थानों पर ही वाहन पार्क करने का अनुरोध किया गया, जिससे बाजार क्षेत्र में भीड़भाड़ या जाम की स्थिति न बने। इसके अतिरिक्त पटाखा विक्रेताओं को निर्धारित नियमों एवं सुरक्षा मानकों के अंतर्गत ही बिक्री करने के निर्देश दिए गए।

पिथौरागढ़ में टूर मैनेजर प्रशिक्षण कार्यक्रम का सफल समापन

जीवन सिंह बोहरा, पिथौरागढ़।

पर्यटन विभाग उत्तराखंड एवं टूरिज्म एंड हॉस्पिटैलिटी स्किल काउंसिल (THSC) के सहयोग से विद्या सोसाइटी द्वारा संचालित टूर मैनेजर प्रशिक्षण कार्यक्रम का समापन समारोह नगर निगम के सभागार में सम्पन्न हुआ।

कार्यक्रम की मुख्य अतिथि पर्यटन विभाग की अतिरिक्त निदेशक पूनम चंद वर्चुअल माध्यम से जुड़ीं। अपने संबोधन में उन्होंने कहा कि उत्तराखंड में पर्यटन रोजगार का सबसे बड़ा माध्यम बन सकता है, यदि प्रशिक्षित और जागरूक युवा इसमें अपनी भूमिका निभाएं। इस प्रकार के प्रशिक्षण युवाओं को न केवल आत्मनिर्भर बनाते हैं, बल्कि प्रदेश के पर्यटन विकास में भी महत्वपूर्ण योगदान देते हैं। उन्होंने प्रतिभागियों के उत्साह और विद्या सोसाइटी के प्रयासों की सराहना की तथा आगे भी ऐसे कार्यक्रमों को बढ़ावा देने की बात कही। कार्यक्रम में जिला पर्यटन अधिकारी पिथौरागढ़ विशिष्ट अतिथि

के रूप में उपस्थित रहे। उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि इस प्रशिक्षण के माध्यम से स्थानीय युवाओं को पर्यटन उद्योग की वास्तविक समझ मिली है। मैं उम्मीद करता हूँ कि आप सभी प्रशिक्षु आने वाले समय में हमारे क्षेत्र के ब्रांड एम्बेसडर बनकर कार्य करेंगे। कार्यक्रम के दौरान प्रतिभागियों दीपिका, मनीष, उमेश एवं अन्य ने अपने अनुभव साझा किए और प्रशिक्षण को अत्यंत लाभदायक बताया। उन्होंने अतिरिक्त निदेशक महोदया को सुझाव भी प्रस्तुत किए। समापन सत्र में प्रशिक्षकों एवं आयोजन दल ने सभी प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र वितरित किए और उनके उज्जवल भविष्य की कामना की। समारोह का संचालन सौहार्दपूर्ण और प्रेरणादायक माहौल में सम्पन्न हुआ।

जिलाधिकारी पिथौरागढ़ द्वारा जनपदवासियों को दीपावली की दी हार्दिक शुभकामनाएं

जीवन सिंह बोहरा, पिथौरागढ़।

जिलाधिकारी पिथौरागढ़ आशीष भटगांई ने दीपावली पर्व के अवसर पर जनपदवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं एवं बधाई प्रेषित की है। अपने संदेश में उन्होंने कहा कि – ÷दीपावली का पर्व अंधकार से प्रकाश की ओर ले जाने वाला पावन अवसर है, जो आपसी भाईचारे, सौहार्द और उल्लास का प्रतीक है।

जिलाधिकारी ने कहा कि यह पर्व हमें सत्य, धर्म और ज्ञान के मार्ग पर चलने की प्रेरणा देता है। उन्होंने जनपदवासियों से अपील की कि वे यह पर्व सादगी, पर्यावरण-संरक्षण एवं आपसी सौहार्द के साथ मनाएं। साथ ही उन्होंने पटाखों का सीमित और ध्यान से उपयोग करने का आग्रह किया और पटाखों से बच्चों, बुजुर्गों और पशु-पक्षियों की सुरक्षा सुनिश्चित

करने में जनभागीदारी करें। जिलाधिकारी ने बताया कि दीपावली पर्व पर प्रशासन द्वारा सुरक्षा के व्यापक इंतज़ाम किए गए हैं, ताकि जनपद में त्योहार शांतिपूर्ण एवं सुरक्षित वातावरण में संपन्न हो सके।

अंत में उन्होंने कहा – यह दीपोत्सव आप सभी के जीवन में नई ऊर्जा, खुशहाली और समृद्धि लेकर आए।

एक नजर

झारखंड मुक्ति मोर्चा ने बिहार विधानसभा चुनाव में अकेले उतरने का किया ऐलान

पटना । झारखंड की प्रमुख पार्टी झारखंड मुक्ति मोर्चा ने एलान किया है कि वह इस बार बिहार विधानसभा चुनाव में किसी गठबंधन के साथ नहीं, बल्कि अकेले मैदान में उतरेगी। पार्टी ने बताया कि वह बिहार की छह विधानसभा सीटों पर अपने उम्मीदवार खड़े करेगी। झारखंड मुक्ति मोर्चा के प्रमुख ने एलान कर दिया है कि बिहार के 6 सीटों पर पार्टी उम्मीदवार उतारेगी। इन 6 सीटों में चकाई, धमदाहा, कटोरिया, मनिहारी, पीरपैंती और जमुई शामिल हैं।

जेएमएम के केंद्रीय महासचिव और प्रवक्ता सुप्रियो भट्टाचार्य ने घोषणा करते हुए बताया कि धन लक्ष्मी का धनतेरस काल और महादेव का प्रदोष तिथि जैसे शुभ दिन को देखते हुए पार्टी ने 6 सीटों पर अपने उम्मीदवार उतारेगी। सुप्रियो ने कहा, झारखंड में झामुमो ने हमेशा राजद को सम्मान दिया। 2019 के विधानसभा चुनाव में राजद को सात सीटें दी गईं, जिनमें से एकमात्र विजयी उम्मीदवार सत्यानंद भोक्ता को पांच साल तक कैबिनेट मंत्री बनाया गया। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने उन्हें सम्मान दिया और हर कार्यक्रम में महत्वपूर्ण स्थान दिया। 2024 के चुनाव में राजद को छह सीटें दी गईं, जिनमें चार उम्मीदवार जीते और एक को महत्वपूर्ण विभाग के साथ कैबिनेट मंत्री बनाया गया। हमने राजद को झारखंड में पूरा सम्मान दिया, लेकिन बिहार में हमें बार-बार इंतजार करने की नसीहतें मिलीं। झामुमो सब कुछ बर्दाश्त कर सकता है, लेकिन सम्मान से समझौता नहीं।

बिहार में आलमनगर विधानसभा क्षेत्र से एक ही प्रत्याशी ने राजद और वीआईपी के सिंबल पर भरा पर्चा

पटना। बिहार विधानसभा चुनाव 2025 के नामांकन के दौरान मधेपुरा जिले के आलमनगर विधानसभा क्षेत्र से अनोखा मामला सामने आया है। यहां एक ही प्रत्याशी ई नवीन कुमार उर्फ नवीन निषाद ने राष्ट्रीय जनता दल (राजद) और विकासशील इंसान पार्टी (वीआईपी), दोनों के सिंबल पर अपना नामांकन पर्चा दाखिल कर दिया है।

यह घटना महागठबंधन के भीतर सीट विवाद की वजह से हुई है, जहां अभी तक सीटों का सटीक बंटवारा नहीं हुआ है। नवीन कुमार, जो पिछले चुनाव में भी राजद के टिकट पर आलमनगर से चुनाव लड़ चुके हैं, इस बार विकासशील इंसान पार्टी की ओर से भी उम्मीदवार हैं। कुमार ने बताया कि उन्होंने पार्टी के आदेश का पालन किया है और आगे भी पार्टी के आदेश अनुसार ही काम करुंगा। इस सीट का प्रचार पहले मुकेश सहनी की पार्टी के पास था। इस मामले से महागठबंधन के अंदरूनी संकट और सीट शेयरिंग की जटिलताओं का पता चलता है। चुनाव के अंतिम चरण में यह विवाद हल होने की संभावना है, और प्रत्याशी की ओर से भी सीट छोड़ने या समर्थन वापस लेने की संभावना बनी हुई है।

बिहार विधानसभा चुनाव को लेकर चली लंबी बातचीत के बाद महागठबंधन ने विकासशील इंसान पार्टी (वीआईपी) को करीब 15 सीटें देने पर सहमति बना ली है। हालांकि इसका आधिकारिक ऐलान अभी बाकी है, लेकिन यह समझौता पहले चरण के नामांकन की आखिरी तारीख से कुछ घंटे पहले ही तय हुआ।

रतलाम में सज गया मां महालक्ष्मी का मंदिर...पांच दिनों तक आभूषण और नोटों से सजा रहेगा

रतलाम। मध्यप्रदेश के रतलाम में मां महालक्ष्मी का मंदिर सज चुका है। मंदिर की सजावट फूलों से नहीं, हीरे, जवाहरात और नोटों से हुई है। मंदिर की हर लड़ में नोट लगे हैं। किसी में 10 किसी में 500 नजर आ रहे हैं। इस अद्भुत सज्जा के लिए भक्तों ने अपनी तिजोरी खोल दी है। मंदिर में अर्पित नकदी-आभूषण को दीपोत्सव के पांच दिन के बाद समिति प्रसादी के रूप में भक्तों को लौटाएगी। मंदिर की सजाने की सालों पुरानी परंपरा के तहत इस साल 2 करोड़ रुपए से मंदिर को सजाया गया है। आज तक यहां से एक रुपया इधर से उधर नहीं हुआ है। धन राशि देने वालों में रतलाम के अलावा प्रदेश सहित अन्य राज्यों से भी बड़ी संख्या में भक्त आते हैं। दीपोत्सव के पहले दिन यानी आज धनतेरस से मंदिर की सजावट को भक्त निहार सकते हैं। संभवत- यह देश का पहला ऐसा मंदिर है, जो पांच दिनों तक भक्तों द्वारा अर्पित आभूषण और नोटों से सजा रहता है

श्री महाकालेश्वर मंदिर में शनि प्रदोष और धनतेरस के पावन संयोग पर महापूजन

उज्जैन। उज्जैन के श्री महाकालेश्वर मंदिर में शनिवार को शनि प्रदोष और धनतेरस के पावन संयोग पर महापूजा हुई। धनतेरस की शुरुआत भगवान महाकाल के आंगन से हुई। मंदिर के पुरोहित परिवार ने भगवान महाकाल की महापूजा कर विश्व शांति, जनकल्याण, सुख, समृद्धि और आरोग्यता की कामना की।

इस मौके पर महाकाल के साथ कुबेर देव और चांदी के सिक्कों का पूजन-अभिषेक किया गया। चांदी के सिक्के भगवान को अर्पित किए गए, जो धन-समृद्धि के प्रतीक माने जाते हैं। मंदिर में सुबह से ही भक्तों की भारी भीड़ उमड़ रही है।

नंदी हॉल में सुबह 10 बजे से पूजन शुरु हुआ, जिसमें पुरोहित समिति द्वारा गणपति पूजन, महालक्ष्मी पूजन, पंचामृत स्नान और रुद्राभिषेक संपन्न कराया गया। करीब एक घंटे तक चली पूजा में संभाग आयुक्त आशीष सिंह, कलेक्टर रौशन कुमार सिंह और एसपी प्रदीप कुमार सहित कई अधिकारी मौजूद रहे। पूजन के बाद गर्भगृह की देहरी पर दीपक अर्पित कर महाकाल का आशीर्वाद लिया गया।

मंदिर प्रशासन ने बताया कि 20 अक्टूबर को दिवाली और अन्नकूट पर्व का आयोजन होगा। सुबह पुजारी परिवार की महिलाएं भगवान महाकाल को उबटन लगाएंगी। इसके बाद गर्भगृह में 56 भोग का अन्नकूट लगाया जाएगा। शाम को कोटितीर्थ कुंड पर हजारों दीपक प्रज्जवलित कर महाआरती होगी। वहीं, 22 अक्टूबर को गोवर्धन पूजा का पर्व मनाया जाएगा।

इधर, श्री सांदीपनि आश्रम परिसर स्थित 84 महादेवों में से कुंडेश्वर महादेव मंदिर में भी विशेष आयोजन हुआ। यहां गर्भगृह में स्थापित कुबेर देव की प्राचीन प्रतिमा का आभूषणों से श्रृंगार कर विशेष पूजन किया गया। साल में केवल एक बार धन त्रयोदशी पर इस प्रतिमा की पूजा होती है। मंदिर के पुजारी शिवांश व्यास ने बताया कि पौराणिक मान्यता के अनुसार धनतेरस के दिन कुबेर की नाभि में इत्र लगाने से धन और समृद्धि की प्राप्ति होती है। श्रद्धालुओं ने प्रतिमा की नाभि में इत्र लगाकर मिष्ठान और अनार का भोग अर्पित किया।

देश की पहली हाइड्रोजन से चलने वाली ट्रेन तैयार, प्रदूषण मुक्त और पर्यावरण अनुकूल होगी

नई दिल्ली। दीपावली के उत्साह के ठीक बाद देश को एक ऐतिहासिक उपहार मिलने वाला है। भारतीय रेलवे ने देश की पहली हाइड्रोजन से चलने वाली ट्रेन को तैयार कर लिया है, जो प्रदूषण मुक्त और पर्यावरण अनुकूल होगी। इस ट्रेन को चलाने के लिए हाइड्रोजन गैस का उपयोग किया जाएगा, जिससे न तो बिजली की जरूरत पड़ेगी और न ही किसी अन्य ईंधन की। ट्रेन के शुभारंभ के साथ भारत दुनिया का पांचवां देश बन जाएगा, जहां हाइड्रोजन ट्रेनें संचालित होंगी। यह कदम भारतीय रेलवे के नमो ग्रीन रेल अभियान का महत्वपूर्ण हिस्सा है।

यह हाइड्रोजन ट्रेन सोनीपत-गोहाना-जींद रूट पर चलेगी, जिसकी कुल लंबाई लगभग 89 किलोमीटर है। ट्रेन की अधिकतम गति 110 से 140 किलोमीटर प्रति घंटा होगी। इसमें 8 कोच लगे हैं, जो एक बार में 2,638 यात्रियों को ले जाने में सक्षम है। पूरी ट्रेन, उसके डिब्बों समेत, दिल्ली के शकूर बस्ती यार्ड में खड़ी है। इंजन और बोगियां लखनऊ में निर्मित हो चुकी हैं और दिल्ली पहुंच चुकी हैं। इस परियोजना पर लगभग 120 करोड़ रुपये का खर्च अनुमानित है।

परीक्षण प्रक्रिया पूरी, दीपावली के बाद हरी झंडी

अनुसंधान डिजाइन एवं मानक संगठन (RDSO) ने जींद स्थित हाइड्रोजन प्लांट में परीक्षण पूरा कर लिया है।

इसके बाद रेलवे की एक अन्य शाखा अंतिम जांच करेगी, जिसमें लगभग 10 दिन लगेंगे। यदि कोई बाधा न आई, तो यह ट्रेन इस महीने के अंत तक पटरी पर दौड़ने लगेगी।

अयोध्या दीपोत्सव में फिर बनेगा विश्व रिकार्ड; 26 लाख से अधिक दीयों से जगमग होगी रामनगरी

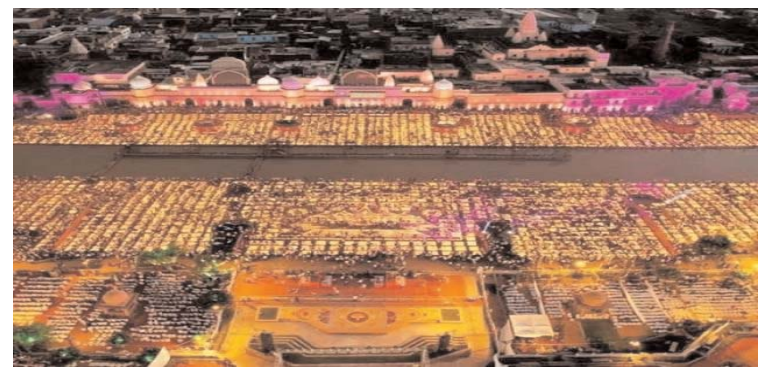

अयोध्या। मर्यादा पुरुषोत्तम श्रीराम की नगरी अयोध्या में दीपोत्सव 2025 का 9वां संस्करण ने एक बार फिर इतिहास रचने को आतुर है। भगवान राम के आगमन की खुशी में कल 19 अक्टूबर को राम की पैड़ी सहित 56 घाटों पर एक साथ 26 लाख 11 हजार 101 दीपों का प्रज्ज्वलन होगा। वहीं, सरयू तट पर 2100 वेदाचार्यों द्वारा महाआरती और मंत्रोच्चार रामनगरी में नई ऊर्जा का संचार करेगी। श्रद्धा, भक्ति और नवाचार के अद्भुत संगम से सजी अयोध्या अपनी आभा से न केवल देशभर में, बल्कि वैश्विक स्तर पर भी दीपोत्सव की रौनक बिखेरेगी। उत्तर प्रदेश के पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने बताया कि 2017 में जब पहली बार इस आयोजन का प्रारंभ हुआ था, तब अयोध्या में लगभग 01.71 लाख दीपक जलाए गए थे। इस बार अयोध्या में 26 लाख से अधिक दीप प्रज्ज्वलन के साथ विश्व रिकॉर्ड बनाने की ओर अग्रसर हैं। दीपोत्सव के पहले आयोजन से नौवें संस्करण तक में दीयों की संख्या में करीब 15 गुना तक वृद्धि हुई है। यह हमारी आस्था और प्रभु श्रीराम के प्रति सम्मान का परिचायक है। मंत्री ने बताया कि दीपोत्सव-2025 में अयोध्या दो गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड का साक्षी बनेगा। पहला रिकॉर्ड 26, 11, 101 दीपों के प्रज्वलन से, जबकि दूसरा सरयू घाट पर 2,100 वेदाचार्यों और प्रबुद्ध जनों द्वारा महाआरती के जरिए स्थापित किया जाएगा। यह आयोजन ऐसा माहौल बनाएगा, जैसे अयोध्या में सितारे जमीन पर उतरेंगे। दीपोत्सव को और अधिक आकर्षक एवं भव्य बनाने के लिए 1,100 स्वदेशी ड्रोन अयोध्या के आसमान में रामायण के विभिन्न प्रसंगों की मनमोहक झलकियां प्रस्तुत करेंगे। जिनमें 'जय श्रीराम', धनुषधारी श्री राम, संजीवनी पर्वत उठाए हनुमान, रामसेतु और श्रीराम जन्मभूमि मंदिर जैसी मनमोहक आकृतियां शामिल होंगी। दीपोत्सव में भगवान श्रीराम के जीवन प्रसंगों की झलक भी दिखाई देगी। राम दरबार के स्वरूपों का प्रतीकात्मक अवतरण, भरत मिलाप का भावनात्मक क्षण तथा राज्यपाल और मुख्यमंत्री द्वारा भगवान श्रीराम के राज्याभिषेक का अलौकिक दृश्य कार्यक्रम के मुख्य आकर्षण रहेंगे। इस बार बच्चों की सक्रिय भागीदारी भी नजर आएगी। पहली बार 100 बच्चों की वानर सेना नगाड़ों की गूंज और जयघोषों के बीच भगवान श्रीराम की भव्य रथयात्रा में सम्मिलित होंगे। रामायण के सात कांड (बालकांड, अयोध्या कांड, अरण्ड कांड, किष्किंधा कांड, सुंदर कांड, लंका कांड, उत्तर कांड) को प्रदर्शित करती मनमोहक झांकियां दर्शकों को विशेष आकर्षित करेगी। पर्यटन मंत्री ने बताया कि पर्यटन विभाग की ओर से सरयू तट स्थित राम की पैड़ी पर श्रद्धालुओं और पर्यटकों के लिए मनमोहक 3-डी होलोग्राफिक म्यूजिकल लेजर शो, आकर्षक प्रोजेक्शन मैपिंग, भव्य हाइड्रोलिक स्क्रीन और शानदार वाटर टैब्लो की विशेष प्रस्तुति दी जाएगी।

धनतेरस पर 54 साल से बंद बांके बिहारी का खजाना खोल दिया गया

मथुरा। बांके बिहारी मंदिर का खजाना आज यानी धनतेरस पर खोल दिया गया। इस दौरान यहां पर भारी पुलिस फोर्स तैनात रहा है। कड़े सुरक्षा इंतजाम के बीच इस पूरी प्रक्रिया को प्रशासन ने अंजाम दिया है। बताया जा रहा है कि बांके बिहारी मंदिर का यह कमरा करीब 54 साल से बंद था, इस कमरे को मंदिर का खजाना (तोषखाना) कहा जाता है। खजाने यानी तोषखाने का ताला खुलने के बाद कुछ लोगों ने अंदर प्रवेश किया।

मिली जानकारी के मुताबिक कमरे में पानी भरा हुआ था, जिससे वहां कीचड़ जैसी स्थित है, हालांकि इस दौरान यहां पर शुरूआती जांच में कोई कीमती वस्तु के नहीं होने का दावा किया जा रहा है। कमरे की साफ-सफाई का दौर जारी है। इस दौरान प्रशासन वीडियोग्राफी भी करा रहा है। गौरतलब है कि आखिरी बार साल 1971 में इस तोषखाने को खोला गया था। सुप्रीम कोर्ट द्वारा गठित हाई पावर मैनेजमेंट कमेटी के सख्त निर्देशों पर यह ऐतिहासिक कदम उठाया जा रहा है, जिसमें मंदिर की संपत्ति का ब्योरा तैयार करने का मुख्य उद्देश्य है। सिविल जज, मंदिर प्रबंधन समिति के सदस्य, वन विभाग के अधिकारी और जिला प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारी मौके पर फिलहाल उपस्थित हैं। पूरी प्रक्रिया की पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए तोषखाने की वीडियोग्राफी कराई जा रही है, जिससे की किसी भी तरह के कोई विवाद की गुंजाइश न रहे। मंदिर के गर्भगृह के ठीक नीचे स्थित इस तहखाने को 'तोषखाना' कहा जाता है, जो 1864 में निर्मित हुआ था।

कमरा खोले जाने से पहले लोग कयास लगा रहे थे कि इसमें भगवान बांके बिहारी के बेशकीमती आभूषण, सोने-चांदी के सिक्के, नवरत्न युक्त स्वर्ण कलश, पन्ना का मोरनी हार, रजत शेषनाग और अन्य ऐतिहासिक धरोहरें संरक्षित हैं। हालांकि, 1971 में कुछ कीमती वस्तुओं को मथुरा के भूतेश्वर स्थित स्टेट बैंक के लॉकर में स्थानांतरित कर दिया गया था। इस खजाने पर भक्तों और सेवायतों की निगाहें टिकी हुई हैं। हाई पावर कमेटी के सदस्य दिनेश गोस्वामी ने बताया कि प्रक्रिया पूरी पारदर्शिता के साथ संपन्न हो रही है, और इससे प्राप्त संपत्ति का उपयोग मंदिर के हित में किया जाएगा। मंदिर प्रबंधन के अनुसार, तोषखाने में अब क्या-क्या बचा है, इसका खुलासा होने के बाद ही स्पष्ट होगा। यह निर्णय मंदिर की दर्शन व्यवस्था में हालिया सुधारों के बाद आया है, जिसमें वीआईपी पास सिस्टम को समाप्त कर सामान्य भक्तों के लिए सुगमता बढ़ाई गई है।

स्थानीय सेवायतों का मानना है कि यह कदम मंदिर की परंपराओं को मजबूत करेगा। प्रक्रिया की लाइव अपडेट के लिए मंदिर प्रशासन की ओर से अलग से घोषणा की जाएगी।

स्वामी/प्रकाशक **वीरेन्द्र सिंह** ने मुद्रक **प्रमोद कुमार, जय माँ गंगा प्रिन्टर्स, राजराणा कॉम्पलैक्स निकट खाद गोदाम, जमालपुर कलां, ज्वालापुर, हरिद्वार (उत्तराखण्ड)** से मुद्रित कराकर, **मुख्य कार्यालय: 41, शांतिपुरम, जगजीपुर, कनखल, हरिद्वार पिन–249408 (उत्तराखण्ड)** से प्रकाशित किया। **वीरेन्द्र सिंह** (सम्पादक) 9411111733, **सुरेन्द्र पाल सिंह** (ब्यूरो चीफ, उत्तरकाशी) 7376757899 वेबसाई– www.pathpravah.com